RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 174
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com
भिलाई, मंगलवार 12 अप्रैल 2022
पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

डॉक्टरों की हड़ताल: ओपीडी में सन्नाटा
हड़ताल से चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

घायलों की नहीं हो सकी मरहम पट्टी, दवा भी बाहर से खरीदी, ओटी रही ठप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाओं पर काफी असर पड़ा है। जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को खासी परशानी हुई। जिला अस्पताल दुर्ग में सोमवार को केवल आवश्यक सेवाएं ही बहाल रही। वह भी हड़तालियों ने 16 कर्मियों को इसके लिए छोड़ रखा था जिससे घटना-दुर्घटना, मदर चाइल्ड यूनिट का काम अधिक प्रभावित न हो। इस बात की हड़ताल का आह्वान करने वाले संघ के पदाधिकारियों ने निंदा की है। हड़ताली कर्मियों ने सुबह 9 से दोपहर 2 बजे के बाद तक धरना प्रदर्शन किया। मंगलवार और बुधवार को भी इसी तरह से प्रदर्शन जारी रहेगा।

वहीं कैलाश नगर, कुरुद रोड में दो बाइक सवार आपस में टकरा गए। सड़क में मौजूद भीड़ ने सड़क से गुजर रही 102 को रोक दिया। घायलों की हालत देख लोगों के कहने पर 102 के पंकज वर्मा ने मदद की और घायलों को लेकर सिविल अस्पताल, सुपेला पट्टी करवाने पहुंचे। वहीं एक मरीज सिविल अस्पताल सुपेला में इलाज कराने आया और अपना नाम चंद्र प्रकाश बताया। यहां भी मरहम पट्टी

करवाने आये मरीज भी चोट की वजह से दर्द से कराह रहा था, वहां पर उसको सोमवार को आने के लिए कहा गया।

नियमित जांच करवाने के लिए पहुंची प्रसूता को भी दो दिन के बाद आने के लिए कहते हुए लौटाया गया। इसी तरह से जहां पर्ची बनाई जाती है, वहां से भी ओपीडी बंद है और देखने वाला कोई नहीं है कहकर मरीजों को लौटाया जा रहा था। केवल आवश्यक सेवाएं ही बहाल है कहा गया।

यहां नहीं पड़ा असर

मदर चाइल्ड यूनिट में सामान्य डिलीवरी और सीजर से डिलीवरी सुबह से जारी रहा। सुबह के समय ही 4 मरीजों की सिजेरियन डिलीवरी की गई। इसके साथ-साथ नवजात

बच्चों को लगाया जाने वाला टीका लगाया गया। कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण का काम नियमित होता रहा। कोरोना जांच भी की गई।

कर्मी पड़ गए कम

सुपेला अस्पताल में पुरुष और महिला वार्डों के मरीजों को एक ही वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। असल में वार्ड में कर्मचारी कम पड़ रहे थे। यहां 50 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे काम प्रभावित हुआ है। जीवनदीप समिति के कर्मियों ने कहा कि कोल्हू की बैल की तरह ड्यूटी करवा रहा है और वेतन कलेक्टर दर पर देने तैयार नहीं है। प्रदेश के इन कर्मियों के अधिकार की लड़ाई लड़ने संघ आगे आया है।

"जिला अस्पताल में हड़ताल का असर नहीं पड़ा है। आवश्यक सेवा बहाल रही। ओपीडी भी 80 फीसदी रहा। एक्स-रे. सोनोग्राफी भी किया गया। 4-5 सिजेरियन डिलीवरी भी हुई। हड़ताल के बाद 14 या 15 को एक दिन सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी खुला रखा जाएगा। जिससे मरीजों का उपचार हो सके।

सैयद असलम, प्रदेश महामंत्री, प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ

"सभी संस्थाओं में एनएचएम, डीएमएफ व जीवनदीप समिति के अधिकारियों व कर्मियों की ड्यूटी लगा दिए हैं। व्यवस्था को बहाल रखने यह पहल की गई है। जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों का समय पर उपचार हो सके।

योगेश कुमार शर्मा, सिविल सर्जन, सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, दुर्ग

"जिला अस्पताल में सोमवार बुधवार और शुक्रबार को मोतियाबिंद का ऑपरेशन होता है। एक दिन में कम से कम 20 मरीजों का ऑपरेशन किया जाता है। यह ऑपरेशन दुर्ग और सुपेला दोनों ही जगह प्रभावित रहा। इसके अलावा मायनर ओटी, सामान्य ओपीडी, नेत्र, सभी प्रकार की लैब जांच, रेडियोग्राफी, सोनोग्राफी, एक्स-रे, सिटी स्केन, आपरेशन, सामान्य नेत्र रोग, सिटी ओटी हड़ताल की वजह से प्रभावित रहा। भिलाई-तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी आंख व दूसरी जांच हड़ताल की वजह से प्रभावित रही।

डॉक्टर जेपी मेश्राम, चीफ मेडिकल हेल्थ ऑफिसर, दुर्ग

खास-खबर

रोपवे हादसा: तीसरे दिन 12 लोगों को सेना ने बचाया, 2500 फीट की ऊंचाई पर अब भी फंसी हैं दो जिंदगियां

रांची (एजेंसी)। झारखंड के देवघर में त्रिकूट पर्वत रोप वे हादसे का आज तीसरा दिन है। बताया जा रहा है कि, 2500 फीट की ऊंचाई पर अब सिर्फ एक ट्राली फंसी हुई है। इस ट्राली में दो लोग अभी भी हैं, जो पिछले 40 घंटे से ज्यादा समय से यहां फंसे हुए हैं। वहीं वायु सेना ने तीसरे दिन 12 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है।

हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

देवघर रोपवे हादसे को झारखंड हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। कोर्ट ने इस मामले में जांच के भी आदेश जारी किए हैं। 26 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले राज्य सरकार को विस्तृत जांच रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करनी होगी।

दोपहर तक पूरा हो सकता है बचाव अभियान

देवघर रोपवे हादसे में बचाव अभियान के इंचार्ज अश्विनी नायर ने बताया कि, हम लगातार बचाव अभियान चला रहे हैं। अब कुछ ही लोग ऊपर रह गए हैं। उन्होंने बताया कि, उम्मीद है कि दोपहर तक सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

कल 33 लोगों की बचाई थी जान

सेना, वायु सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ के द्वारा चलाए जा रहे संयुक्त अभियान में सोमवार को करीब 33 लोगों को बचाया जा सका था। इसे रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना के दो हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। हालांकि, सोमवार देर रात अंधेरा होने के कारण अभियान रोक दिया गया था। इस कारण लोगों के पास खाने-पानी का सामान पहुंचाना भी मुश्किल हो गया था, जिसके चलते ऊपर फंसे लोग रातभर भूखे-प्यासे ही रहे। पहाड़ी पर फंसे लोगों में महिलाएं व छोटे बच्चे भी हैं।

तीन लोगों की हो चुकी है मौत

रेस्क्यू ऑपरेशन में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। देवघर प्रशासन ने सोमवार को एक महिला की मौत की पुष्टी की थी। वहीं शाम को हेलीकॉप्टर से फिसल जाने के कारण एक व्यक्ति डेढ़ हजार फीट नीचे खाईं में गिर गया था। इसके अलावा भी एक मौत की बात सामने आ रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। हादसे में 12 लोग घायल हैं।

कोरोना का कहर फिर शुरू, 3 स्कूलों के 21 छात्र और टीचर्स हुए संक्रमित

नोएडा (एजेंसी)। दुनियाभर में कोरोना वायरस के नए एक्सई वैरिएंट की आहट के बीच भारत में भी एक बार फिर से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा बढ़ने लगा है। दो साल तक बंद रहने के बाद फिर से खुले स्कूलों में इसका असर देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और नोएडा में तीन स्कूलों में अब तक तीन टीचर्स सहित कुल 21 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद में दो निजी स्कूलों के 5 छात्रों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। वहीं, नोएडा के एक स्कूल से कोरोना संक्रमण के 16 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन टीचर भी शामिल हैं। स्कूलों ने वायरस के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए ऐहतियाती कदम के रूप में तीन दिनों के लिए स्कूल को बंद करने की घोषणा की है, जबकि उसके बाद स्कूल की छुट्टियां हैं, इसलिए स्कूल 19 अप्रैल से खुलेंगे। वहीं, नोएडा के स्कूल में एक सप्ताह तक ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई होगी।

बता दें कि, कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने से प्रदेश सरकार ने अधिकतर पाबंदियां हटा दी हैं। इसके साथ ही स्कूल भी खुल गए हैं। ऐसे में स्कूली छात्रों में कोरोना फैलने की खबर से बच्चों और अभिभावकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कोरोना मानकों का पालन होगा

शासन की तरफसे स्कूलों को कोरोना मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत स्कूलों ने भी बच्चों को किसी भी साथी का खाना व पानी की बोतल शेयर नहीं करने की हिदायत दी है। साथ ही बच्चों को दो गज दूरी का पालन करने को भी कहा गया है। साथ ही अगर किसी बच्चे की तबियत खराब होगी, तो उसे इस संबंध में स्कूल को जानकारी देनी होगी।

एसीबी की नई टीम, एसपी-एएसपी का ट्रांसफर रोका गया, 37 नए लोगों को मिला मौका

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के एंटी करप्शन ब्यूरो के एसपी और एएसपी का तबादला आदेश जारी होने के बाद ट्रांसफर रोका गया है, जबकि बड़े पैमाने पर एसीबी के टीआई, एसआई, एएसआई समेत प्रधान आरक्षकों का तबादला किया गया है। नई टीम तैयार करने गृह विभाग ने कई जिलों के पुलिस कर्मियों को एसीबी में पोस्टिंग दी है। अवर सचिव राम प्रसाद चौहान द्वारा जारी आदेश में 13 पुलिस कर्मियों को हटाकर उनकी जगह 37 लोगों को मिला मौका दिया गया है।

महानदी भवन के सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश के मुताबिक 6 जनवरी 2022 को एंटी करप्शन ब्यूरो के

एसपी पंकज चंद्रा और एडिशनल एसपी अमृता सोरी को क्रमश: मुंगेली व डोंगरगढ़ ट्रांसफर कर दिया गया था। इन दोनों अफसरों का ट्रांसफर कैंसल कर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अनुमोदन के बाद आदेश जारी किया गया है।

एसीबी से 13 पुलिस कर्मियों को हटाया गया

जारी आदेश में अलग-अलग जिलों के पदस्थ निरीक्षक, उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक व आरक्षकों को एंटी करप्शन ब्यूरो में जगह दी गई है। वहीं एसीबी के कुछ पुलिस कर्मियों को जिलों में ट्रांसफर किया गया है। एसीबी के 13 निरीक्षक और आरक्षकों को एंटी करप्शन ब्यूरो से हटाकर पुलिस हेड क्वार्टर और अलग-अलग जिलों में भेजा गया है। इनकी जगह एंटी करप्शन ब्यूरो में 37 नए कर्मियों को शामिल किया गया है।

जारी है हाथियों का आतंक

हमले में एक लड़की और महिला ने गंवाई जान पिछले तीन दिनों में पांच की हो चुकी है मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सोमवार को हाथी के दो हमलों में एक 11 वर्षीय लड़की और एक महिला की मौत हो गई। जिससे पिछले तीन दिनों में इस तरह के हमले में मरने वालों की संख्या पांच हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के नगरी वन परिक्षेत्र में जंगली हाथी के हमले में एक लड़की सिमरन साहू (11) और एक महिला दसरी बाई निषाद (50) की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग को जानकारी मिली है कि सिमरन साहू अपने पिता शेखर साहू के साथ तुमबाहरा गांव के जंगल में महुआ एकत्र करने गई थी। जब वह जंगल में थे तभी जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि हाथी के हमले के बाद जब बेटी और पिता वहां से भागने लगे तब हाथी ने बालिका को कुचलकर मार डाला। शेखर साहू ने बताया कि सिमरन उसकी एकमात्र संतान थी और वह

पांचवी कक्षा में पढ़ती थी।

उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में जिले के चारगांव के जंगल में जंगली हाथी ने एक महिला दसरी बाई निषाद (50) को मार डाला। अधिकारियों ने बताया कि संबलपुर गांव निवासी महिला दसरी बाई महुआ के फूल इकट्ठा करने चारगांव के जंगल में गई थी। जब महिला जंगल में थी तभी हाथी वहां पहुंच गया और उसने महिला को सूंड से उठाकर पटक कर मार डाला।

पिछले तीन दिनों में हाथी के हमले में पांच लोगों की मौत

उन्होंने बताया कि जब वन विभाग को घटना की जानकारी मिली तब घटनास्थल के लिए वन विभाग और पुलिस दल को रवाना किया गया। बाद में दल ने बालिका और महिला का शव बरामद कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के परिजनों को तत्कालिक सहायता राशि दी गई है। धमतरी जिले में पिछले तीन दिनों में हाथी के हमले में पांच लोगों की मौत हुई है। धमतरी में शनिवार को हाथियों ने तीन लोगों की जान ले ली थी।

वन विभाग ने ग्रामीणों को किया सतर्क

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक अरुण जैन ने कहा कि ग्रामीणों को आसपास के क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी के बारे में सतर्क कर दिया गया है और कहा गया है कि वे जंगल में लकड़ी या महुआ लाने न जाएं। उन्होंने कहा कि इन हाथियों को गांवों से दूर भगाने के प्रयास जारी हैं। ऐसी घटनाएं ज्यादातर सरगुजा, रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बालोद, बलरामपुर और कांकेर जिलों में हुई हैं। वन विभाग के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में हाथियों के हमले में 204 लोग मारे गए हैं, जबकि 45 हाथियों की मौत हुई है।

बस्तर फाइटर्स भर्ती का नक्सलियों ने किया विरोध, नारायणपुर में सड़कों को काटा, पेड़ गिराए और बैनर भी लगाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों बस्तर फाइटर्स भर्ती का विरोध करते हुए बैनर लगाए हैं। माओवादियों ने इस संदेश को घर-घर तक पहुंचाने और बस्तर फाइटर्स का विरोध करने की बात लिखी है। इसके अलावा रावघाट परियोजना, नारायणपुर में हुए लाठीचार्ज की निंदा और रावघाट के दलालों को मार भगाने की बात लिखी है। नक्सलियों ने कई जगहों पर सड़क भी काट दिए, जिससे आवागमन बंद हो गया।

बता दें कि बस्तर संभाग के 7 जिलों में 2800 से अधिक स्थानीय युवक-युवतियों की बस्तर फाइटर्स में भर्ती की जानी है। इस भर्ती को लेकर नक्सली काफी नाराज हैं और लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी ने अबूझमाड़ क्षेत्र के ओरछा मार्ग पर बैनर लगाकर बस्तर फाइटर्स भर्ती का विरोध किया है। नक्सलियों ने कई जगहों पर सड़क भी काट दी गई है। नक्सलियों द्वारा सड़क के बीचों-बीच लगाए गए बैनर में बस्तर के युवाओं से बस्तर फाइटर्स भर्ती में शामिल नहीं होने की अपील की गई है।

युवाओं की भर्ती से नक्सलियों की कमर टूटेगी

ओरछा ब्लॉक मुख्यालय के नजदीक नक्सलियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए मंडाली, बटूम के पास पहाड़ी मंदिर के नीचे मुख्य सड़क को जगह-जगह काट दिया। वहीं कई स्थानों पर पेड़ भी सड़क पर गिरा दिए हैं। बैनर में लिखा है कि बस्तर फाइटर्स भर्ती अभियान का सभी युवा विरोध करें। बस्तर फाइटर्स हमें मंजूर नहीं है। बस्तर की जमीन हमारी है, इसे बचाना हैं। ओरछा-नारायणपुर रोड में जगह-जगह सड़क काट देने से मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया था। सूचना मिलने के बाद जवान मौके पर पहुंचे और नक्सल बैनरों को जब्त किया और सड़क को बहाल किया गया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी का कहना है कि बस्तर संभाग युवाओं की भर्ती होने से नक्सलियों की कमर टूटेगी, इसलिए नक्सली बैनर-पोस्टर लगाकर विरोध जता रहे हैं।

व्यापमं द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संभावित तिथि जारी छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थियों से नहीं लिया जाएगा परीक्षा शुल्क

- **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बजट सत्र में की गई घोषणा पर अमल शुरू**
- **बस्तर एवं सरगुजा के निवासियों की भर्ती के लिए गठित कनिष्ठ सेवा चयन बोर्ड की परीक्षाओं में भी किया गया है शुल्क माफ**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 का बजट प्रस्तुत करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों से छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (छग व्यापमं) एवं छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (छग पीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाओं के लिए शुल्क नहीं लिए जाने की बात कही थी। मुख्यमंत्री की उक्त घोषणा पर अमल भी शुरू हो गया है। बीते दिन ही स्नातक स्तर के विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश

के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने संभावित तिथियां जारी कर दी हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार इस बार इन परीक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

व्यापमं द्वारा जारी तिथि के अनुसार प्री-इंजीनियरिंग टेस्ट (पीईटी) व प्री फॉर्मेसी टेस्ट (पीपीएचटी) आगामी 22 मई को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। यह परीक्षा राज्य के सभी 28 जिलों में आयोजित की जाएगी। पीईटी के माध्यम से बीई, बीटेक (इंजीनियरिंग), बीटेक डेयरी टेक्नॉलाजी, दाउ श्री वासुदेव चन्द्राकर विश्वविद्यालय दुर्ग, बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, बीटेक फूड टेक्नॉलाजी, डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नॉलाजी में प्रवेश लिया जाएगा। वहीं प्री एमसीए व प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट (पीपीटी) 29 मई को होना प्रस्तावित है।

सरगुजा के निवासियों के लिए शुल्क माफ

बीएससी कृषि, बीएससी उद्यानिकी, पशुपालन एवं डिप्लोमा एवं मात्सिकीय विज्ञान एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्री एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी) और प्री वेटनरी टेस्ट (पीव्हीपीटी) का आयोजन 5 जून को प्रस्तावित है। प्री बीएड व प्री डीएलएड परीक्षाएं 12 जून को आयोजित होंगी। वहीं प्री बीए बीएड तथा बीएससी बीएड के लिए प्रवेश परीक्षा 19 जून को प्रस्तावित किया गया है। गौरतलब है कि बस्तर एवं सरगुजा के निवासियों की भर्ती के लिए गठित कनिष्ठ सेवा चयन बोर्ड की परीक्षाओं में भी शुल्क माफकर दिया गया है।

संपादकीय

हवा में अटके लोग

झारखंड में देवघर रोपवे हादसे पर जितना दुख जताया जाए, कम है। तीर्थयात्रा पर गए लोगों के साथ हुए इस हादसे में मौत भी हुई है, लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं और 40 से ज्यादा यात्री घंटों तक रोपवे पर अपने-अपने केबिन में कैद भी रहे हैं। वैसे रोपवे का तार टूटने की यह घटना विरल ही है। इसके पहले 2017 में गुलमर्ग गोंदोला रोपवे हादसा भी याद आता है, तब वह हादसा केबल टूटने से नहीं हुआ था, तेज हवा के कारण एक पेड़ रोपवे की तार और केबिन पर गिर पड़ा था, तब आठ लोगों की मौत हो गई थी। आमतौर पर भारतीय रोपवे सुरक्षित हैं, इसलिए देवघर का त्रिकुट पर्वत रोपवे हादसा ज्यादा चिंता खड़ी कर रहा है। रात भर लोग ऐसे फंसे रहे कि उन तक भोजन-पानी पहुंचाने में भी कामयाबी नहीं मिली। सुबह होने के बाद ही फंसे हुए लोगों को एयरफोर्स व एनडीआरएफ की टीम ने बचाने का काम शुरू किया। क्या बचाव का काम तत्काल शुरू नहीं हो सकता था? क्या रात में ऐसे क्षेत्रों में हम राहत कार्य चलाने में सक्षम नहीं हैं?

> यह समय है कि हम ऐसे सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता और रखरखाव को जांच लें। सुधार समय की मांग है। देश में रोपवे खूब बन रहे हैं, उन सबमें बचाव के अतिरिक्त प्रबंध भी होने चाहिए। केवल रोपवे निर्माण ही पर्याप्त नहीं है। रोपवे कंपनियों की अपनी बचाव व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की नियोजित-लिखित रणनीति भी होनी चाहिए, ताकि सेना और आपदा प्रबंधन टीम को बचाव में कहीं परेशानी न आए।

यह बड़ी चिंता की बात है कि हादसे के 19 घंटे बाद ही पहले व्यक्ति को बचाकर निकाला गया। अनेक लोग 24 घंटे बाद भी फंसे रहे, क्योंकि दुर्गम घाटियों में ऐसे निर्माण हो तो जाते हैं, लेकिन हादसे या रोपवे के रुकने की स्थिति में लोगों को निकालने की बात दूर, लोगों तक भोजन-पानी पहुंचाने की भी सुविधा नहीं होती है। साल 2017 में स्पेन में जब रोपवे हादसा हुआ था, तब 200 से ज्यादा यात्री फंसे थे, लेकिन उन तक भोजन-पानी पहुंचाने में खास समस्या नहीं हुई थी। स्पेन में बचाव कार्य में अग्निशमन कर्मचारियों के कौशल का भी उपयोग हुआ था। यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि बचाव कार्य में अगर पूरी विशेषज्ञता का उपयोग होता, तो इतने घंटों तक यात्रियों को जीवन-मौत के बीच न झूलना पड़ता। अब यह देखने वाली बात है कि क्या इस हादसे या फंसे हुए लोगों को गंभीरता से नहीं लिया गया? क्या रोपवे पर कोई बड़ा अधिकारी या नेता फंसा होता, तब भी बचाव में इतना ही समय लगता? देवघर की इस घटना से जो संदेश दुनिया में गया है, उससे भारतीय रोपवे पर लोगों का अविश्वास बढ़ेगा।

झारखंड के स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा है कि देवघर रोपवे दुर्घटना की जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़ितों को सहायता पहुंचाने का है। वाकई यह समस्या या हादसा राजनीति का मसला नहीं है। यह ऐसे 40 से ज्यादा आम लोगों का मसला है, जो रोपवे पर लगभग 2000 फीट की ऊंचाई पर घंटों फंसे रहे। बेशक, वहां दुर्गम भौगोलिक स्थिति है, जहां जल्दी पहुंचना लगभग असंभव है, लेकिन तब भी यह सवाल खड़ा होता है कि रोपवे निर्माता कंपनियां क्या बचाव के बारे में सोचकर निर्माण करती हैं? भारत में जो 30 से ज्यादा रोपवे चल रहे हैं, क्या उनकी संचालन व बचाव व्यवस्था को पूरी तरह से परख लिया गया है। यह समय है कि हम ऐसे सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता और रखरखाव को जांच लें। सुधार समय की मांग है। देश में रोपवे खूब बन रहे हैं, उन सबमें बचाव के अतिरिक्त प्रबंध भी होने चाहिए। केवल रोपवे निर्माण ही पर्याप्त नहीं है। रोपवे कंपनियों की अपनी बचाव व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की नियोजित-लिखित रणनीति भी होनी चाहिए, ताकि सेना और आपदा प्रबंधन टीम को बचाव में कहीं परेशानी न आए।

भारत और उसके पड़ौसी देश

दो दशकों से जिस चीन के निवेश और भारी-भरकम कर्ज ने श्रीलंका को इस स्थिति में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है, वह ही संकट के समय वहां से भाग खड़ा हुआ है। वैसे भी चीन अपनी अधिनायकवादी मानसिकता और मानवाधिकारों के हनन के लिए कुख्यात रहा है। ऐसे में भारत, श्रीलंका के लिए देवदूत बनकर उभरा है। आलेख लिखे जाने तक, भारत ने 40 हजार मीट्रिक टन डीज़ल, तो 40 हजार टन चावल की सहायता की है, तो एक अरब डॉलर की आर्थिक मदद करने का वचन भी दिया है।

हालिया वैश्विक घटनाक्रम में भारत की स्थिति क्या है? देश का एक वर्ग, जिसे हम सेकुलर-वामपंथी-जिहादी कुनबा भी कह सकते है- वह बीते कुछ वर्षों, विशेषकर मई 2014 से लगातार अपने भारत-हिंदू विरोधी विरोधी एजेंडे की पूर्ति हेतु देश को कभी 'मुसलमानों के लिए असुरक्षित', 'देश में भय का वातावरण', तो 'लोकतंत्र खतरे में है' या फिर 'नागरिक अधिकारों के हनन' जैसे जुमलों को निरंतर रट रहा है। यह भी दिलचस्प है कि जिस विश्व में यह जमात देशविरोधी विषवमन कर रहा है, उसी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई और इन्हें अब भी भारत ही सबसे अधिक 'असुरक्षित' लग रहा है। शुरूआत अपने पड़ोसी देशों के साथ करते है। पाकिस्तान में क्या हो रहा है? यहां एक बार फिर 'जनता द्वारा' चुनी हुई सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान के सत्ता अधिष्ठान में कट्टरपंथी मुल्ला-मौलवियों और सेना की तूती बोलती है। घोषित इस्लामी राष्ट्र पाकिस्तान में लोकतंत्र की जड़े इसलिए भी खोखली है और संभवतः आगे भी रहेगी, क्योंकि जिस 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरित सर सैयद अहमद खां के 'दो राष्ट्र सिद्धांत' ने भारत का रक्तरंजित विभाजन करके इस देश को जन्म दिया, उसके वैचारिक अधिष्ठान में ही लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता का कोई स्थान नहीं है। स्वयं पाकिस्तान की स्थापना का उद्देश्य ही लोकतंत्र का विरोधाभास है। चीन का दुमछल्ला बनने की भी पाकिस्तान बड़ी कीमत चुका रहा है।

-बलबीर पुंज

> आंदोलनकारियों का कहना है कि हिंदीभाषी क्षेत्र के प्रवासी नियोक्ता से उनकी भाषा सीखने की अपेक्षा करने के बजाय राज्यों की स्थानीय भाषा सीखें। साफ है, भाषा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर पूरी सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि यह महज संपर्क का मसला नहीं है। यह एक भावनात्मक मुद्दा है, जो पहचान से भी जुड़ा है। भाषा नागरिकों को स्वाभिमानी भी बनाती है। इसलिए सरकार को सभी भाषाओं को समान आधिकारिक दर्जा देना चाहिए।

हिन्दी जैसी ही मानी जाए हर भारतीय भाषा

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

पिछले हफ्ते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर बर्र के छत्ते को हिला दिया कि हिंदी भाषा अंग्रेजी का विकल्प हो सकती है। उनके इस बयान का दक्षिण भारत के प्रमुख राजनीतिक दल एकजुट होकर विरोध करने लगे हैं। इन पार्टियों का कहना है कि हिंदी थोपने की किसी भी कोशिश का वे डटकर मुकाबला करेंगे।

देश की आजादी के बाद से भाषा एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। 1950 के दशक के अंत में तो यहां भाषा के सवाल पर काफी कशाकशी हुई थी। संविधान सभा में भी इस विषय पर तीखी बहस हुई। जवाहरलाल नेहरू से लेकर बाद के अनेक प्रधानमंत्रियों तक ने, और कई अन्य राष्ट्रीय नेताओं ने भाषा के सवाल पर अपने हाथ जलाए हैं।

अमित शाह जैसे कुशल राजनेता बखूबी जानते हैं कि उनके बयान के क्या निहितार्थ निकाले जाएंगे। फिर भी उन्होंने इस पर जोर देकर क्यों कहा? दरअसल, हिंदी का प्रचार-प्रसार भाजपा और आरएसएस की प्रमुख योजनाओं में एक है, क्योंकि वे भारत के 'एकीकरण' के लिए इसे महत्वपूर्ण मानते हैं। 'एक भारत-एक राष्ट्र' का सिद्धांत कई मुद्दों से नत्थी है, जिनमें भाषा भी शामिल है। इसीलिए भाजपा भाषा के सवाल को समय-समय पर उठाती रही है। गैर-हिंदी भाषी राज्य इसे 'हिंदी थोपना' कहते हैं और इसके खिलाफ वे मुखर हैं। उनका मानना है कि केंद्र हिंदी भाषा को बढ़ावा देता रहता है और इसे विशेष दर्जा देने का हिमायती भी है, लेकिन अपने यहां सांविधानिक रूप से ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

संविधान की आठवीं अनुसूची में जिन 22 भारतीय भाषाओं को मान्यता मिली हुई है, उनमें से एक हिंदी है। संविधान सभा ने काफी बहस के बाद हिंदी को केंद्र की आधिकारिक भाषा माना। जब गैर-हिंदीभाषी राज्यों ने इसका विरोध किया, तब अंग्रेजी को 15 वर्षों के लिए संपर्क की भाषा के रूप में जारी रखने की अनुमति दे दी गई। तब से इसकी मीयाद लगातार बढ़ाई जाती रही है। तब यह भी फैसला लिया गया था कि सभी राज्य अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का राजभाषा के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। इसी वजह से तमिलनाडु आधिकारिक भाषा के रूप में तमिल का उपयोग करता है और पश्चिम बंगाल में बांग्ला का आधिकारिक प्रयोग होता है। अन्य गैर-हिंदीभाषी राज्यों ने भी यही किया है। केंद्र राज्यों के साथ अंग्रेजी में संवाद करता है, जबकि अधिकांश केंद्रीय विश्वविद्यालय व अखिल भारतीय सेवाओं से जुड़ी परीक्षाएं अंग्रेजी और हिंदी में आयोजित की जाती हैं। हालांकि, हालिया कुछ अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं में क्षेत्रीय भाषाओं में भी सवाल पूछे गए हैं, लेकिन इनमें अंग्रेजी और हिंदी की प्रमुखता ही बनी हुई है।

हिंदीभाषी राज्यों के लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय हो सकता है कि आखिर भारत के अन्य हिस्सों के लोग उनकी भाषा क्यों नहीं बोलते? उनके दिमाग में यह बात भी घर कर गई है कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। अगस्त, 2020 में लोकसभा सांसद कनिमोझी को चेन्नई के हवाई अड्डे पर इसी वजह से मुश्किलें झेलनी पड़ी थीं। तब एक सीआईएसएफ अफसर ने उनकी भारतीयता पर सवाल उठा दिया था, क्योंकि कनिमोझी ने उनसे या तो अंग्रेजी या तमिल में बोलने को कहा था। अधिकारी यह समझ नहीं रहा था कि भारतीय होने के लिए हर किसी का हिंदी में बोलना अनिवार्य नहीं है। शायद उसे यह भी पता नहीं था कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं है और यह आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं में एक है। मगर हिंदी को अन्य भारतीय भाषाओं की तुलना में विशेष दर्जा हासिल है, क्योंकि यह एकमात्र भारतीय भाषा है, जिसको देश की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता हासिल है।

सवाल यह है कि भारतीयों को हिंदी की जगह अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषा क्यों चुननी चाहिए? हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने में आखिर क्या दिक्कत है? और क्यों अंग्रेजी को नहीं छोड़ना चाहिए? इनके जवाब सामान्य हैं। गैर-हिंदीभाषी राज्य हिंदी के समान अपनी भाषा की कानूनी हैसियत चाहते हैं, और तब तक उनको लगता है कि संपर्क की भाषा अंग्रेजी रहनी चाहिए। भाषा को लेकर आंदोलन करने वालों का तर्क है कि सभी भारतीय भाषाओं को समान आधिकारिक दर्जा देना इसका एक उपाय है। आखिरकार यूरोपीय संघ ने अपने महाद्वीप की सभी 24 भाषाओं में अनुवाद मुहैया कराकर भाषा की समस्या का समाधान किया ही है।

सवाल यह भी है कि हमें राष्ट्रभाषा की जरूरत क्यों है? एक तर्क यह दिया जाता है कि हिंदी भारत में सबसे अधिक समझी जाने वाली भाषा है। मगर जनगणना के आंकड़े इसकी कलई खोल देते हैं। जाहिर है, बोलचाल और कामकाज संबंधी मुश्किलों का हल तकनीक से निकल सकता है, लिहाजा जरूरी है कि राजनीतिक दल सभी भारतीय भाषाओं को मान्यता देने की इच्छाशक्ति दिखाएं। यह विवाद 2026 में और भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि तब परिसीमन को लागू किया जाएगा। ऐसा अनुमान है कि गैर-हिंदीभाषी राज्यों की कीमत पर हिंदीभाषी राज्य संसद में 100 अतिरिक्त सीटें जोड़ेंगे। चूंकि यह कवायद काफी हद तक जनसंख्या से जुड़ी है, इसलिए सवाल सामाजिक और आर्थिक विकास का भी है, क्योंकि दक्षिण और पश्चिमी में कई गैर-हिंदीभाषी राज्य हिंदी पट्टी की तुलना में बेहतर सामाजिक व आर्थिक संकेतकों को जी रहे हैं।

तो क्या इसका यह मतलब है कि हिंदीभाषी राज्यों की शिथिलता का खामियाजा दक्षिण के राज्य भुगतेंगे? इससे प्रवासन का मसला भी उलझ जाएगा, क्योंकि उत्तरी राज्यों के प्रवासी कामगार दक्षिणी राज्यों में आते रहते हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि हिंदीभाषी क्षेत्र के प्रवासी नियोक्ता से उनकी भाषा सीखने की अपेक्षा करने के बजाय राज्यों की स्थानीय भाषा सीखें। साफ है, भाषा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर पूरी सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि यह महज संपर्क का मसला नहीं है। यह एक भावनात्मक मुद्दा है, जो पहचान से भी जुड़ा है। भाषा नागरिकों को स्वाभिमानी भी बनाती है। इसलिए सरकार को सभी भाषाओं को समान आधिकारिक दर्जा देना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नफरत पर कड़ाई से लगाम ही दुष्प्रचार का माकूल जवाब

मनु जोसेफ पत्रकार एवं उपन्यासकार

भारत में मुसलमानों के लिए हालात खराब हैं। यह एक अजीब और भारत के संदर्भ में आमतौर पर झूठा वाक्य है। इस वाक्य का दूसरा पक्ष कहां है? लेकिन आज हम एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां यह वाक्य लगभग 20 करोड़ मुसलमानों के हालात बयान करने लगता है। लेकिन क्या इसमें तमाम अमीर, गरीब, सुपरस्टार पुरुष, महिला और यहां तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े प्रशंसक गुजराती बोहरा मुस्लिम भी शामिल हैं?

आज के आधुनिक भारत के बारे में पश्चिमी मानवतावादी, राजनेता और पत्रकार जो सबसे अप्रिय बातें कहते हैं, वे पूरी तरह से सच नहीं हैं। मिसाल के लिए, कुछ दिन पहले अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य इल्हान उमर ने विलाप किया, 'मोदी प्रशासन को भारत में मुस्लिम होने के कृत्य का और कितना अपराधीकरण किए जाने की जरूरत है, जब हम कुछ बोलेंगे?' वास्तव में, यह बयान बकवास है। भारत के किसी समुदाय के साथ ऐसी कोई निर्ममता नहीं हो रही है, जैसा कि पश्चिम में कुछ लोग सोचते हैं। मुसलमानों के खिलाफ किसी तरह के नरसंहार की सभी बातें अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। हां, समुदाय विशेष पर छोटी-छोटी मार पड़ रही है, जिसने भारत के एक समुदाय के कुछ लोगों को अपने ही देश में कमतर व्यवहार की निराशा से भर दिया है। अभी कुछ दिनों पहले, पवित्रता का दावा करने वाले रंग के वस्त्र पहनने वाले एक व्यक्ति ने बड़ी भीड़ से कहा कि अगर 'क' समुदाय के पुरुषों ने 'ख' समुदाय की महिलाओं को परेशान किया, तो वह 'क' समुदाय की महिलाओं के यौन उत्पीड़न की व्यवस्था करेगा।' बेशक, भड़काने वाले ने जो किया, वह एक अपराध है। लोग हर रोज एक समुदाय विशेष के बारे में कुछ कहते हैं, आखिर ये कौन लोग हैं, और क्या उन्हें ऐसा करने की मंजूरी दी जानी चाहिए?

आज यह सामान्य बात हो गई है, लेकिन हममें से बहुत लोगों को अंदाजा नहीं है कि जातिगत या सांप्रदायिक भेदभाव कितना बुरा हो सकता है। कई लोगों के लिए तो उनकी धार्मिक पहचान भार सी बन गई है। जो भी भेदभाव दिख रहा है, इसका किसी को कोई लाभ नहीं है। कुछ भी हो, यह एक ऐसी स्थिति है, जो हिंदुओं के लिए भी अच्छी नहीं है। आज किसी समुदाय विशेष के बारे में बुरी बातें कहने से निम्न-कोटि के राजनेताओं के लिए लोकप्रिय होना आसान हो गया है। पाकिस्तानी लोग आज हमें यह बेहतर बता सकते हैं कि तरक्की और आधुनिकता के खिलाफ शिकायत करने वाले निम्न बुद्धि के सांप्रदायिक लोग कितनी तेजी से लोकप्रिय हो सकते हैं और कैसे तबाही की वजह बन सकते हैं।

ध्यान रहे, अगर गलत किस्म के लोगों को मौका मिलने लगे, तो लोकतंत्र एक खतरनाक माध्यम हो जाता है। हमें यह जरूर देखना चाहिए कि मुसलमानों के साथ व्यवहार ने हिंदुओं की वैश्विक प्रतिष्ठा को भी कम कर दिया है। आज दुनिया भारत से जुड़ी किसी भी अतिशयोक्तिपूर्ण रिपोर्ट पर विश्वास करने को तैयार है, जबकि अधिकांश हिंदू किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के अपराधी नहीं हैं, लेकिन इस बुराई की प्रकृति ऐसी है कि चंद लोग गलती करते हैं और पूरा समुदाय उसमें भागीदार मान लिया जाता है। छोटे-छोटे अन्याय के प्रति उदासीनता ही काफी है।

भारत में ऐसे हालात के बावजूद, मेरा मानना है कि मुसलमानों के लिए चीजें बहुत बेहतर हो सकती हैं। हो सकता है कि अभी जो हो रहा है, वह एक ऐसा दौर हो, जहां से हम आधुनिक भारत के अधिक बुद्धिमान होने की ओर बढ़ रहे हों। मैं एक शक्तिशाली संस्था की ओर उम्मीद से देखता हूं, जो सरकार के बाहर है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। इसके प्रमुख मोहन भागवत के हालिया भाषणों में से कुछ भाषण मुसलमानों के खिलाफ हिंसा की निंदा से परे भी जाते हैं। उन्होंने कहा है, इस तरह की हिंसा करने वाले लोगों को हिंदू नहीं माना जा सकता। यह एक प्रकार से सांस्कृतिक जीत से उभरा भाव है। भारत को यूरोप की एक भ्रमित नकल में बदलने की इच्छा रखने वाले भारतीय अभिजात वर्ग के सभी यूरोपीय विचार प्रयोग विफल हो गए हैं। हमारे प्राचीन समाज में कुछ पूर्वाग्रह भले रहे होंगे; लेकिन वह परतदार आदर्शों वाली धर्मनिरपेक्षता की तुलना में कहीं बेहतर है। इस्लाम से अप्रभावित रहते हुए आधुनिक हिंदुओं को मोहन भागवत की यह बात समझने की उदारता विकसित करनी चाहिए कि हिंदू राष्ट्र केवल हिंदू राष्ट्र नहीं है। साथ ही, शीर्ष राजनेताओं को यह देखना चाहिए कि घृणा फैलाने की मंजूरी नए राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी पैदा कर रही है, इसलिए सबसे अच्छा यही है कि हर नफरती भाषण के खिलाफ कानून लागू किया जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

गीतों से मन नहीं बदलता थोड़ी देर का, झूठा सहारा हैं दोस्तों, दवा तो अपनों के पास ही है।

-अंजली जैन
7024460938

भारत की श्रीलंका, पाक जैसी नहीं बल्कि अफ्रीकी देश जैसी दुर्दशा!

हरिशंकर व्यास

इसलिए क्योंकि श्रीलंका और पाकिस्तान 1947 से नस्ल के कोर मिशन में बुने हुए हैं। इन दोनों देशों ने कई संकट देखें, लोगों का विद्रोह हुआ लेकिन आबादी की बुनावट में एक देश, जहां इस्लाम के मिशन में हजार साल घास खाने की कसम खाए हुए हैं वहीं श्रीलंका के सिंहली आधुनिक बौद्ध जीवन का स्थायी मकसद बनाए हुए हैं। भंडारनायके परिवार, जयवर्धने, प्रेमदासा और राजपक्षे परिवार कोई भी नेता परिवार व पार्टी वहां विचारधारा, मध्य मार्ग के किंतु-परंतु में नहीं रही। जैसे कि भारत और भारत के नेता तथा प्रजा 75 वर्षों से जीती आई है। तभी इतिहास दृष्टि में सौ साल बाद भारत का सार यह लिखा हुआ होगा कि लोगों के संघर्ष या मौके से 1947 में जब आजादी मिली तो उससे देश में काले अंग्रेज पैदा हुए। इन अंग्रेजों ने माई-बाप सरकार के मॉडल में लोगों को ऐसा लूटा, भ्रष्टाचार व नैतिक पतन में ऐसा मारा कि 75 साल बाद के अमृत वर्ष के वक्त 110 करोड़ लोग पांच किलो फ्री राशन, खैरातों से पेट भरते हुए थे! 1975-77 में पब्लिक जागी, जेपी की संपूर्ण क्रांति हुई तो क्रांति के बजाय लालू, रामविलास, नीतीश पैदा हुए। जातियों के अणु बम में हिंदू और खंड-विखंडित। सन् 2014 में हिंदू जागृति आई तो वे नरेंद्र मोदी पैदा हुए, जिनकी सत्ता का मिशन पानीपत की तीसरी लड़ाई और 1942 के जिन्ना के इस सपने को पूरा करना कि हर जिले में एक हिंदुस्तान और एक पाकिस्तान!

ऐसी बिखराव वाली रियलिटी में अफ्रीका के कई देश जीते आए हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि अफ्रीका आज भारत से गया गुजरा या अंधी गुफा है। नहीं, अफ्रीकी देश जिस तेजी से पिछले 25 वर्षों में बदले हैं वह अद्भुत है। दक्षिण अफ्रीका गोरों-कालों में सामंजस्य बना मजे से आगे बढ़ते हुए है। इसे देखना-समझना हो तो बीबीसी जैसे अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनलों को देखा करें। हर वैश्विक चैनल अफ्रीका पर रेगुलर प्रोग्राम लिए (भारत व दक्षिण एशिया का मतलब ही नहीं। यदि दुनिया में भारत पर कोई प्रोग्राम दिखता भी है तो मांस की दुकानों जैसे विवादों, बदहाल पर्यावरण, प्रदूषण, गरीबी, अंधविश्वास आदि, आदि पर होगा) मिलेगा। अफ्रीका में देख कर हैरानी होती है कि घाना इतना बदल रहा। केन्या, केन्याटा के वक्त से इतना आगे निकल गया। अल्जीरिया, मोरक्को की पर्यटन से इतनी भारी कमाई या दक्षिण अफ्रीका क्रिप्टोकरेंसी, वित्त, बैंक, माइनिंग में वैश्विक दबदबा बनाए हुए।

वहीं भारत? अपना भविष्य अफ्रीकी देशों के उन मॉडल की और ले जाता हुआ, जहां प्रधानमंत्री की सत्ता भूख और नस्ली-जातीय हिंसा से गृहयुद्ध अनुभव लगातार है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत स्वीकृत शतप्रतिशत कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत् स्वीकृत शतप्रतिशत कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराएँ। महोबे आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों को पूरा कराने में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों का मजदूरी भुगतान लंबित न रहे। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में बिजली व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था निरंतर उपलब्ध रहे। पंखा कूलर चालु हालत में हो। स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी बिजली तथा पेयजल की व्यवस्था हो। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों तथा यात्री प्रतीक्षालयों में शीतल पेयजल प्याउ घरों की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की जानकारी ली और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा जल जीवन मिशन के स्वीकृत कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और तय समय पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के पूर्ण गौठानों में गोधन न्याय योजना अंतर्गत नियमित रूप से गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण तथा विक्रय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी वर्मी टांका रिक्त न रहे। उन्होंने स्वसहायता समूहों को संबंधित गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ के हिस्से फिर एक राष्ट्रीय पुरस्कार

जिला पंचायत कबीरधाम का राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2022 के लिए चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीते 3 वर्षों में कई राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम कर चुका छत्तीसगढ़ फिर एक बार राष्ट्रीय पटल पर चमका है। इस बार पं. दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार-2022 के लिए जिला पंचायत कबीरधाम का चयन राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है। जिला पंचायत कबीरधाम के साथ जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा के ग्राम पंचायत केजेदाह का भी चयन राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए हुआ है। आगामी 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रधानमंत्री के हाथों प्रदान किया जाएगा। जिला पंचायत कबीरधाम का चयन राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए होने पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जिले वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए चयन होने पर कलेक्टर कबीरधाम श्री रमेश शर्मा ने कहा कि यह अथक परिश्रम का परिणाम है कि राष्ट्रीय स्तर पर जिला पंचायत कबीरधाम को सम्मानित किया जा रहा है। वहीं जिला पंचायत कबीरधाम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020- 21 के दौरान किए गए विभिन्न उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर जिले का चयन राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए हुआ है। भौतिक सत्यापन के उपरांत जिला पंचायत कबीरधाम को राष्ट्रीय स्तर पर पंचायत पुरस्कार के लिए चयन किया गया, जो जिले एवं प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी तथा वन, पर्यावरण एवं आवास मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के दिशा-निर्देश पर ग्राम पंचायत क्षेत्रों में विभिन्न उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। यहां मुख्य रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को बड़ी मात्रा में रोजगार दिया गया। महिलाओं को आजीविका संवर्धन से जोड़ा गया। वहीं ग्राम पंचायत क्षेत्र में अधोसंरचना विकास जैसे सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य किये गये। इसी के परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले को राष्ट्रीय स्तर पर पंचायत पुरस्कार-2022 के लिए चुना गया है। इसी तरह ग्राम पंचायत केजेदाह का ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार देने के साथ मूलभूत सुविधाओं का विस्तार तथा दस्तावेजी करण व पारदर्शिता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान किया जाएगा।

इन उपलब्धियों के कारण हुआ चयन :-

1. वैश्विक महामारी कोरोना काल के दौरान जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा 28836 परिवारों को 100 दिवस रोजगार प्रदान किया गया।
2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के द्वारा 96 लाख से अधिक मानव दिवस रोजगार ग्रामीणों को दिया गया जो कि सालाना लेबर बजट के लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक रहा।
3. महिला आजीविका संवर्धन के लिए कम्यूनिटी फार्मिंग का कार्य ग्राम पंचायत राजानवागांव एवं बम्हनी में कराया जा रहा है। राजानवागांव में महिला समूह द्वारा सब्जी उत्पादन कर 1.80 लाख रूपए से अधिक की आमदनी अर्जित किया है। वहीं बम्हनी जनपद पंचायत कवर्धा के महिला समूह द्वारा 1.40 लाख रूपए की आमदनी अर्जित की गई है।
4. जिले में 158 बैंक सखी कार्यरत हैं, जिनके द्वारा शासकीय योजनाओं की राशि का भुगतान हितग्राहियों के घरों में जाकर किया जा रहा है। अब तक 34 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।
5. जिले के 7 अलग-अलग स्थानों में महिला समूह के द्वारा भोर कलेवा नामक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की बिक्री का केंद्र चलाया जा रहा है। इन केंद्रों में 75 महिला जुड़ी हुई हैं, जो प्रति माह में 7 हजार से 8 हजार रूपए महीने की आमदनी अर्जित कर रही हैं।
6. वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिले के 468 ग्राम पंचायतों में से 220 गौठानों का निर्माण कराया गया, जिसमें 1100 नग वर्मी कम्पोस्ट टैंक तथा 1100 नग नाडेब कम्पोस्ट टैंक का निर्माण कराया गया। इनमें से प्रत्येक 4 माह के अंतराल पर कम्पोस्ट खाद का निर्माण किया जा रहा है।

अयोध्या में रामलला को चढ़ेगा छत्तीसगढ़ का देवभोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अयोध्या में रामलला को उनके ननिहाल छत्तीसगढ़ के देवभोग क़िस्म के चांवल का भोग प्रसाद चढ़ाया जाएगा। अयोध्या स्थित पुरारि सीड्स कंपनी 110 क्विंटल बीज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से 3.5 लाख रुपए में खरीद रही है, जिसे अयोध्या एवं उसके आसपास के क्षेत्रों के खेतों में बोया जाएगा। रामलला के विशेष भोग प्रसाद के लिए 110 क्विंटल बीज को अयोध्या में लगभग 1200 एकड़ खेत में बोया जाएगा, जिससे लगभग 6 हजार क्विंटल की फसल हो सकती है।

कृषि महाविद्यालय के डॉ. विवेक त्रिपाठी ने बताया है कि 110 क्विंटल छत्तीसगढ़ देवभोग बीज इस माह के अंत तक अयोध्या सप्लाई होना है। पुरारि सीड्स कंपनी अयोध्या के संचालक रामगोपाल तिवारी ने बताया कि बारिश के मौसम में किसान यहां देवभोग धान का उत्पादन करेंगे। इस धान के चांवल से अयोध्या मंदिर में रामलला के लिए विशेष भोग तैयार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसानों के हित में अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना के अंतर्गत उन स्थानों का विकास कर रही है जहां वनवास काल के दौरान राम की स्मृतियां जुड़ी हैं।

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक उत्पादन देने वाली धान की प्रजाति स्वर्णा जो कि आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निकाली गई, उसे और छत्तीसगढ़ की पुरानी धान प्रजाति जीराशंकर दोनों प्रजातियों की प्लांट ब्रीडिंग के बाद इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ देवभोग नाम की प्रजाति विकसित की। जो पतला चांवल की सुगंधित और मुलायम चावलों की प्रजाति में गिनी जाती है। इसका धान 135-140 दिन में पकता है और उत्पादन 45 से 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आता है। कृषि मंत्रालय भारत सरकार की बीज विकास समिति ने वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ देवभोग को भारत के राज्य पत्र में स्थान दिया और इसे छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लिए उत्पादन अनुशंसा दी। अब इसी चांवल का भोग अयोध्या में छत्तीसगढ़ के भांचा रामलला को चढ़ाया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रदेश में बड़ी मात्रा में किसान छत्तीसगढ़ देवभोग धान की बुवाई कर रहे हैं। रायपुर और इससे जुड़े दुर्ग जिले में पाटन क्षेत्र, धमतरी जिले में देवभोग का उत्पादन जारी है, इन क्षेत्रों के किसानों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कंपनियां जुड़ रही हैं। पहले इस किस्म के धान का पौधा 130-150 सेंटीमीटर तक होता था।

युवाओं की रचनात्मकता हमें सकारात्मकता की ओर ले जाती है : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ मॉडल विषय पर आधारित प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

फोटोग्राफी, रील्स और स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा उस समय आनंद और उत्साह से भर उठे, जब उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री से सीधे मिलने और बातचीत का मौका मिला। इस दौरान इन युवाओं ने अपनी रचनात्मकता को दिखाते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को अपनी बनाई पेंटिंग भेंट की। किसी ने टाऊ की खेती को कैनवास पर उतारा था, तो किसी ने कार्डबोर्ड पर मुख्यमंत्री की तस्वीर को जीवंत रूप से उकेरा था।

यह अवसर था छत्तीसगढ़ मॉडल विषय पर आधारित प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण का। यहां युवा प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री को उनके द्वारा बनाए गए स्लोगन भी सुनाए गए। जिसकी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मुक्तकंठ सराहना भी की।

युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आप अपनी कल्पना को रचनात्मक रूप प्रदान करते हैं। आपकी रचनात्मकता हमें सकारात्मकता की ओर ले जाती है।

सकारात्मक काम धीरे-धीरे होते हैं, परन्तु उनका प्रभाव स्थायी होता है। जनसंपर्क विभाग द्वारा मुख्यमंत्री निवास में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आत्मीयतापूर्वक मिले और उन्हें पुरस्कृत किया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर 2 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2021 तक फोटोग्राफी, नारा लेखन, स्लोगन और इंस्टाग्राम रील प्रतियोगिता कराई गई थी। इस प्रतियोगिता में पर्यटन, प्रकृति, आर्किटेक्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर, जन सुविधाएं, छत्तीसगढ़ के लोग, स्वच्छता, शिक्षा, त्योहार एवं परंपराएं जैसे विषय शामिल थे। कार्यक्रम में फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों को 11-11 हजार रूपए, श्रेष्ठ 20 प्रतियोगिता को 2100-2100 रूपए और रील कॉम्पिटिशन में सर्वश्रेष्ठ 10 प्रतिभागियों को 5-5 हजार रूपए तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जनसंपर्क आयुक्त दीपांशु काबरा, जनसंपर्क संचालक सौमिल रंजन चौबे, अपर संचालक द्वय उमेश मिश्रा और संजीव तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा मंत्री पटेल ने बालपुर में बड़े भजन मेला स्थल का भूमिपूजन किया

सरसींवा में कॉलेज खोलने एवं बालपुर में मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय रामनामी बड़े भजन मेला स्थल का भूमिपूजन कार्यक्रम आज बिलाईगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बालपुर में उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल के मुख्य आतिथ्य व संसदीय सचिव श्री चन्द्रदेव राय के अध्यक्षता में सपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वलन से हुआ। ततपश्चात उन्होंने बड़े भजन मेला स्थल पर भूमिपूजन किया साथ ही सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल वितरण कर स्व. श्री राम जी के स्मृति में बने बाल उद्यान का उदघाटन भी किया गया।

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने क्षेत्र वासियों को बड़ी सौगात देते हुए सरसींवा में नवीन कॉलेज प्रारंभ करनें और बालपुर में मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगातार शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जा रहा है। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम इसका जीता जागता उदाहरण है। अभी जिला और सभी विकासखण्ड मुख्यालयो में इसका संचालन किया जा रहा है। आने वाले समय मे इन स्कूलों का और अधिक विस्तार किया जाएगा। उन्होंने इस दौरान विभिन्न विकास कार्यो की लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम में मुख्यरूप से सरायपाली विधायक श्री किस्मत लाल नंद, सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े, बलरामपुर विधायक बृहपति सिंह, मनेन्द्रगढ़ विधायक विनय जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा सरपंच अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि गण सहित रामनामी समाज के सदस्य उपस्थित बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ डॉ फरिहा आलम सिद्की,अपर कलेक्टर राजेंद्र गुप्ता, एसडीएम के एल सोरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

हज-2022 के लिए आवेदन अब 22 अप्रैल तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि हज कमेटी ऑफ़ इंडिया भारत सरकार के सर्कुलर 12 से प्राप्त सूचना अनुसार हज और उमराह मंत्रालय सऊदी अरब ने हज 2022 की घोषणा करते हुए नियमावली का निर्धारण किया है। प्रदेश से हज जाने के लिए इच्छुक आवेदक 20 अप्रैल 2022 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर सम्पर्क किया जा सकता है। राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि हज कमेटी ऑफ़ इंडिया भारत सरकार के सर्कुलर के अनुसार हज यात्रियों का 65 या उससे कम उम्र का होना चाहिए। सऊदी स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनुमोदित कोविड-19 वैक्सीन का मुख्य टीकाकरण पूर्ण होना तथा सऊदी अरब में बहार के मुल्कों से आने वाले हज यात्रियों को प्रस्थान के 72 घंटों के भीतर किए गए कोविड-19 पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। सऊदी हज और उमराह मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी हज यात्रियों को सऊदी हुकूमत द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य निर्देशों का पालन करना और हज की रस्में अदा करते समय अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सभी एहतियाती उपायों का पालन करना अनिवार्य होगा। इस नियमावली के मद्देनजर हज कमेटी ऑफ़इंडिया भारत सरकार द्वारा हज गाइडलाइन जारी की गई है जिसके अनुसार- हज 2022 के लिए आवेदन किए ऐसे आवेदक जो 30 अप्रैल 2022 की स्थिति में 65 वर्ष की आयु से ऊपर है वे अपात्र होंगे। ऐसे आवेदको की महिला सह यात्रियों जिनके वे एकमात्र मेहरम है तथा ऐसी महिला सह यात्री जो उनकी कम्पैनियन है उनकी भी हज सीट निरस्त होगी। हज 2022 के लिए इच्छुक हज यात्रियों द्वारा ऑनलाइन हज आवेदन 22 अप्रैल, 2022 तक निम्नलिखित शर्तों पर किए जा सकते है:- 22 अप्रैल 2022 या उससे पूर्व जारी किया हुआ एवं 31 दिसम्बर 2022 तक की वैधता युक्त पासपोर्ट धारक वे आवेदक जो 30 अप्रैल 2022 की स्थिति में 65 वर्ष या उससे कम उम्र के है तथा सऊदी स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनुमोदित कोविड-19 वैक्सीन का मुख्य टीकाकरण पूर्ण कर लिए है।

अब 15 अप्रैल तक हितग्राही ले सकते हैं मार्च महीने का राशन

रायपुर (ए)। ऐसे राशनकार्डधारी जो मार्च का राशन अभी तक नहीं ले पाए हैं, वे अब 15 अप्रैल तक राशन ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि सर्वर डाउन रहने के साथ दूसरे कारणों से बहुत से राशनकार्ड धारक मार्च का राशन नहीं ले पाए हैं। इसे देखते हुए खाद्य विभाग द्वारा यह सुविधा दी गई है। गौरतलब है कि मार्च से ई-पास मशीन से खाद्यान्न का वितरण शुरू हो गया है। इस मशीन से खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की आशंका न के बराबर है। खाद्य नियंत्रक तरुण राठौड़ ने बताया कि 15 अप्रैल तक लोग मार्च का राशन ले सकते हैं। खाद्य विभाग द्वारा इन दिनों समय पर दुकानें न खोलने वाले कारोबारियों पर निगाह रखी जा रही है। आधा दर्जन से अधिक दुकान संचालकों को इसके लिए नोटिस भी दी जा चुकी है। सभी दुकान संचालकों से कहा जा रहा है कि वे समय पर दुकानें खोलें और खाद्यान्न वितरण करें। उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार से शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। छत्तीसगढ़ प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा नई सुविधा तुंहर सरकार तुंहर द्वार का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत बीते वर्ष जून से इस वर्ष मार्च माह तक नौ माह की अवधि में आठ लाख 52 हजार 136 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें पांच लाख 61 हजार 799 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और दो लाख 90 हजार 337 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं। इस योजना के अंतर्गत लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके द्वार तक पहुंचाकर दी जा रही हैं। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार तुंहर सरकार तुंहर द्वार सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विभाग ने एक हेल्पलाइन नंबर 75808-08030 जारी किया है।

छत्तीसगढ़ और विदर्भ के बीच रहा है पुराना संबंधः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री शामिल हुए मराठा सेवा संघ के स्थापना दिवस समारोह में

महासमुंद जिले के नर्रा गांव में स्थित छत्तीसगढ़ के पूर्व मराठा शासक बिम्भाजी राव भोसले के समाधि स्थल का होगा सौंदर्यीकरण

अन्य समाजों की तरह मराठा सेवा संघ को भी कलेक्टर गाइडलाइन दर के 10 प्रतिशत मूल्य पर उपलब्ध होगा भूखंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर में आयोजित मराठा सेवा संघ के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ और विदर्भ का बहुत पुराना संबंध रहा है। भौगोलिक, राजनीतिक दृष्टि के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी। महाराष्ट्र के साथ छत्तीसगढ़ के लोगों का रोटी-बेटी का संबंध है। आने वाले समय में यह संबंध और अधिक प्रगाढ़ होगा।

मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के नर्रा गांव में स्थित छत्तीसगढ़ के पूर्व मराठा शासक बिम्भाजी राव भोसले के समाधि स्थल के सौंदर्यीकरण कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समाधि जर्जर स्थिति में है। इसका सौंदर्यीकरण उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मराठा संघ के सामाजिक भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग पर कहा कि मराठा सेवक संघ को भी अन्य समाजों की तरह कलेक्टर गाइडलाइन दर के 10 प्रतिशत मूल्य पर भूखंड उपलब्ध कराया जाएगा। रायपुर के कचना में आयोजित इस कार्यक्रम में मराठा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामाजी पवार, संस्थापक अध्यक्ष पुरूषोत्तम खेड़ेकर, प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र दानी, पूर्व विधायक श्रीमती रेखा ताई, पूर्व मराठा शासक बिम्बाजी भोंसले के परिजन मधोजी भोसले और श्रीमती मंगला दानी सहित संघ के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के आरंभ में छत्रपति शिवाजी महाराज और महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर मराठा सेवा संघ की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन किया और आयोजकों की ओर से उत्कृष्ट कार्यों के लिए समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ और विदर्भ के संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि आजादी के बाद सीपी एंड बरार में छत्तीसगढ़ अंचल का क्षेत्र भी शामिल था, जिसकी राजधानी नागपुर थी। छत्तीसगढ़ के अनेक शहरों में मराठा समाज के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। रायपुर के दूधाधारी मठ का जीर्णोद्धार मराठा शासक ने कराया था, इसी तरह रायपुर के 400 वर्ष पुराने रावण भाटा मैदान में भोसले राजाओं ने सार्वजनिक दशहरा उत्सव की शुरुआत की थी। अब जब महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के लोगों का एक दूसरे के राज्य में आना जाना बढ़ रहा है, तो आने वाले समय में यह संबंध और ज्यादा प्रगाढ़ होगा। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में अनेक बड़ी लड़ाईयां लड़ी गई, वहां एक से बढ़कर एक पराक्रमी योद्धा और छत्रपति शासक हुए। समाज सुधार के क्षेत्र में भी महाराष्ट्र में बड़ा आंदोलन हुआ। सावित्रीबाई फूले पहली शिक्षिका थी और ज्योतिबा फूले जी ने समाज सुधार का बड़ा काम किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के महापुरुषों और संतो ने समाज की उन्नति और समाज को जोड़ने के लिए काम किया था। हमारे संतो और महापुरुषों ने जो संदेश दिया था, उसे पूरे देश तक ले जाने की जरूरत है। उन्होंने देश को जोड़ने का काम किया था, इसलिए सबको जोड़ें और तोड़ने वाली शक्तियों को पराजित करें। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि समाज और राजनीति अलग अलग नहीं है। राजनीति भी एक बड़ा सामाजिक मंच है। सभी समाजों में सभी राजनीतिक दलों के लोग रहते हैं, हमारे सामाजिक जीवन से जुड़ी समस्याओं पर भी राजनीतिक स्तर पर विचार होना चाहिए और उनके समाधान की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस सम्बन्ध में लगातार बढ़ती महंगाई का उल्लेख किया। बघेल ने कहा कि सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हाथों में जाने से बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जब सार्वजनिक उपक्रम बचेंगे नहीं तो लोगों को आरक्षण कहां मिलेगा। बघेल ने भिलाई इस्पात संयंत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि इस संयंत्र के प्रारंभ होने के बाद देशभर के लोग वहां आए और काम किया। इससे उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर में उन्नयन हुआ। सार्वजनिक उपक्रम केवल लाभ कमाने का ही जरिया नहीं हैं, लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सामाजिक सरोकार भी इनसे जुड़ा है। कार्यक्रम को मराठा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामाजी पवार, संस्थापक अध्यक्ष पुरूषोत्तम खेड़ेकर, प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र दानी और मधोजी भोसले ने भी सम्बोधित किया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एनजीटी के निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाएः मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का पालन करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय-प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग एवं पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों की बैठक में प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के तहत की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले मौजूद थी। मुख्य सचिव ने प्रदेश के नगरीय निकायों एवं पंचायतों में ठोस अपशिष्ट संग्रहण, एकत्रीकरण, पृथक्करण, उपचार एवं अपवहन की जानकारी निर्धारित समयावधि में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को प्रेषित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। मुख्य सचिव ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के प्रावधानों को प्रदेश की सभी पंचायतों में लागू करने की कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में छत्तीसगढ़ में संचालित दूषित जल उपचार संयत्रों एवं निर्माणाधीन घरेलू उपचार संयंत्रों के संबंध में की गई कार्यवाही की समीक्षा भी की गई। बैठक में एनजीटी के निर्देशों के परिपालन हेतु जिला स्तरीय कार्य बल की बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्यवाही करने सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं सीवरेज मैनेजमेंट एवं चिन्हित नदियों में न्यूनतम ई-फ्लो बनाए रखने संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करने अधिकारियों से जानकारी ली गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के हुई बैठक में वन एवं उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, जल संसाधन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., नगरीय प्रशासन विकास विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी. एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल के अधिकारी शामिल हुए।

छाया गर्भनिरोधक गोलियां हैं परिवार नियोजन का असरदार साधन

महिलाओं में जागरूकता बढ़ने से बढ़ रहा है इस्तेमाल, कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवार नियोजन के अस्थाई साधन के तौर पर छाया साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोलियां महिलाओं की पहली पसंद बन रही हैं। जागरूकता बढ़ने से शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका इस्तेमाल शुरू हो गया है। छाया गर्भनिरोधक गोलियों के प्रचार-प्रसार में मितानिनें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में परिवार कल्याण शाखा के उप संचालक डॉ. तरुण कुमार टोंडर ने बताया कि परिवार को नियोजित रखने में छाया गर्भनिरोधक गोलियां काफी कारगर हैं। प्रदेश में इसका उपयोग बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में जहां इसकी एक लाख 16 हजार 840 स्ट्रिप्स इस्तेमाल हुई थीं, वहीं

2021-22 में एक लाख 56 हजार 411 स्ट्रिप्स का इस्तेमाल हुआ है। छाया गर्भनिरोधक गोलियों का वितरण स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा मितानिनों के द्वारा भी गृह भ्रमण के दौरान किया जा रहा है। राज्य में परिवार नियोजन के प्रति महिलाओं की रुचि बढ़ रही है। पिछले साल की अपेक्षा इस साल छाया का उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या में इजाफा हुआ है।

सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध है छाया गोली

छाया गर्भनिरोधक गोली प्रदेश के सभी जिला मातृ एवं शिशु अस्पतालों, जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क उपलब्ध है। अनेक मितानिनें स्वयं परिवार नियोजन के लिए छाया अपनाकर उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। साथ ही अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रहीं हैं।

छाया गोली का नहीं है कोई साइड इफ़ेक्ट

डॉ. टोंडर ने बताया कि स्टेरॉइड न होने की वजह से छाया नॉन-हार्मोनल गर्भनिरोधक गोली है, जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। मासिक चक्र के दीर्घकरण के अलावा छाया का कोई दुष्प्रभाव नहीं पाया गया है। हार्मोनल गोलियों की तुलना में छाया के सेवन से मोटापा, मतली होना, उल्टी या चक्कर आना, रक्तस्त्राव और मुहांसे जैसे कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। इस कारण यह अधिक सुरक्षित है।

कैसे करें छाया गोली का सेवन

डॉ. टोंडर ने बताया कि छाया का सेवन आरंभ करने के लिए मासिक धर्म शुरू होने के दिन पहली गोली लेनी होती है। इसके बाद चौथे दिन दूसरी गोली। उदाहरण के तौर पर यदि किसी का मासिक धर्म रविवार को शुरू हुआ तो पहली गोली रविवार को व दूसरी चौथे दिन यानि बुधवार को लेनी होगी। इसके बाद तीन माह तक हर सप्ताह रविवार और बुधवार को यह गोली लेनी है। तीन महीने बाद हफ्ते में एक गोली सिर्फ रविवार को लेना है जब तक बच्चा नहीं चाहिए।

कलेक्टर द्वारा की गई ''गौठान पहुंच कार्यक्रम' की डि-ब्रीफिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार द्वारा विज्ञान महाविद्यालय परिसर स्थित पंडित डीडीयू ऑडिटोरियम में गत् दिवस 8 अप्रैल को जिले के गौठानों में आयोजित हुए ''गौठान पहुंच कार्यक्रम'' की डि-ब्रीफिंग की गई।

कलेक्टर द्वारा गौठान प्रबंधन समिति के कार्य एवं दायित्व के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने गोबर खरीदी कार्य पर विशेष रूप से जोर देने कहा। उन्होंने सभी गौठानों में सप्ताह में कम से कम चार दिन गोबर खरीदी कार्य सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि वर्मी कंपोस्ट के विक्रय में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आना चाहिए। प्रत्येक एकड़ के हिसाब से 1 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। गौठानों में पर्याप्त वर्मी कंपोस्ट पैकेट उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने वर्मी कंपोस्ट के उठाव के संबंध में चर्चा करते हुए कहा की ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों के साथ बेहतर समन्वय होना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिस गौठानों में वर्मी रखने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है, वहां अलग से शेड बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गौठानों में चारागांह के लिए निर्धारित जगह पर सब्जी भाजी नहीं लगाना चाहिए। कलेक्टर ने गौठानों से जुड़े स्व सहायता समूह के सदस्यों की औसत आय के बारे मे जानकारी ली और उनके आय बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की मांग और खपत के आधार पर स्थानीय स्तर पर गौठान में आवश्यक वस्तूओं का उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाईवे से लगे गौठानों में वहां उत्पादित वस्तुओं का विक्रय भी किया जा सकता है।

कलेक्टर ने कहा की पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को मिलने वाली राशि के लिए किसानों का ई-केवाईसी होना जरूरी है। उन्होंने संबंधित आधिकारियों से कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में किसानों की ई-केवाईसी की स्थिति बेहतर नहीं है, वहां कॉमन सर्विस सेंटर वालों को भेजकर पंजीयन सुनिश्चित कराए।

कलेक्टर ने सोसाइटी में यूरिया, सुपर फास्फेट, खाद, बीज, उर्वरक की उपलब्धता आदि की जानकारी लेते हुए किसानों को भी अवगत कराने कहा। धान के बदले अन्य फसलों को बढ़ावा देने हेतु रायपुर जिले को कुल 7200 हेक्टेयर का लक्ष्य शासन द्वारा दिया गया है, लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों से कहा।

उन्होंने कहा कि गौठानों को मल्टी एक्टिविटी सेंटर तथा रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा सकता है। गौठान में उत्पादित वस्तुओं का पैकेजिंग, ब्रांडिंग कर स्थानीय बाजार, खुले बाजार तथा अन्य बाजारों में भी भेजा जा सकता है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने अधिकारियों से कहा कि सफल स्व सहायता समूह के कार्यों का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जाए तथा अन्य स्व सहायता समूह के लोगों से उनका समन्वय कराया जाए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हेल्थ टिप्सः इम्युनिटी को कमजोर कर देती हैं ये चीजें, कहीं आप भी तो नहीं करते हैं इनका सेवन?

मजबूत इम्युनिटी हम सभी के लिए कितना आवश्यक है, यह कोरोना की विपरीत परिस्थितियों ने सभी लोगों को अच्छी तरह से समझा दिया है। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से हम सभी ने आहार और दिनचर्या में उन आवश्यक बदलावों पर विशेष ध्यान दिया है, जिसे प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। अध्ययन बताते हैं कि मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली का बनना, एक सतत प्रक्रिया है, मतलब यह लगातार शरीर में चलते रहने वाली प्रक्रिया है, ऐसे में हमें हर दिन इस बारे में ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। इसके लिए जीवनशैली और स्वस्थ दिनचर्या का विशेष ख्याल रखना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इम्युनिटी को मजबूती देने में आहार की विशेष भूमिका होती है। हम क्या खाते हैं, इसके साथ ही इस बात का भी विशेष ध्यान रखना आवश्यक है कि हमें किन चीजों से परहेज करना चाहिए? आहार से संबंधित कई चीजें इम्युनिटी को कमजोर बना सकती हैं, इसलिए इसका ख्याल रखना बहुत आवश्यक है। आइए आगे इस बारे में विस्तार से जानते हैं कि किन चीजों के सेवन की आदत प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए नुकसानदायक हो सकती है?

तला हुआ भोजन है हानिकारक

क्या आपको भी बहुत ज्यादा तली-भुनी चीजें खाना पसंद है? अगर हां तो सावधान हो जाइए इस तरह की चीजों को डॉक्टर्स सेहत के लिए बहुत हानिकारक मानते हैं। तले हुए खाद्य पदार्थों में एडवांस ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स अधिक होता है। भोजन को तलने के दौरान जब उच्च तापमान के कारण शर्करा, प्रोटीन या वसा के साथ प्रतिक्रिया करती है, तो इसके कारण एजीई उत्पादित होता है। इसका स्तर बढ़ना शरीर में सूजन और सेलुलर डैमेज का कारण बन सकता है। यही कारण है कि तली हुई चीजों का अधिक सेवन न करने की सलाह दी जाती है।

मीठी चीजों के अधिक सेवन से बचें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ज्यादा मात्रा में चीनी का सेवन करने से डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। शोध बताते हैं कि ब्लड शुगर को बढ़ावा देने के साथ मीठी चीजों का अधिक सेवन शरीर की इम्युनिटी को भी कमजोर कर सकती है। मीठी चीजों का सेवन कम करने से स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिलती है। मीठी चीजें, विशेषकर एडेड शुगर वाले खाद्य-पेय पदार्थों को शरीर के लिए बहुत हानिकारक माना जाता है।

नमक का संयमित मात्रा में करें सेवन

चीनी के साथ-साथ आहार में नमक की भी मात्रा कम करने पर ध्यान देना जरूरी है। अधिक नमक वाली चीजें हाई ब्लड प्रेशर का कारण बनने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर देती हैं। चिप्स, फ्रोजन और फास्ट फूड्स में नमक की मात्रा अधिक हो सकती है। ज्यादा नमक वाले आहार, ऊतकों में सूजन को ट्रिगर करते हैं जिससे ऑटोइम्यून बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है।

ओमेगा-6 के ज्यादा सेवन से बचें

आपके शरीर को कार्य करने के लिए ओमेगा-6 और ओमेगा-3, दोनों प्रकार के फैट्स की आवश्यकता होती है। पश्चिमी देशों के आहार में ओमेगा-6 की मात्रा अधिक, वहीं ओमेगा-3 की मात्रा कम होती है। यह असंतुलन इम्युनिटी को कमजोर करने के साथ कई प्रकार के रोगों के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। ओमेगा-6 का अधिक मात्रा में सेवन इंफ्लामेशन का कारण बनती है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कमजोर कर सकती है।

काजल अग्रवाल ने प्रेग्नेंसी में दिखाया सिजलिंग अंदाज

अभिनेत्री काजल अग्रवाल गौतम किचलू जल्दी ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। काजल अग्रवाल इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी पीरियड को एंजॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अपनी कई तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती है। हाल ही में उन्होंने मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें उनके चेहरे पर अलग ही निखार नजर आ रहा था। अब काजल अग्रवाल ने एक बार फिर ग्लैमरस अंदाज में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं।

प्रेग्नेंसी में भी दिखा ग्लैमरस अंदाज

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल प्रेग्नेंसी में भी एक फैशन गोल सेट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लैक ऑफ शोल्डर कट ड्रेस में सिजलिंग अवतार में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में काजल ग्लैमरस अंदाज मों पोज करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को दीवाना बना रही हैं और फैंस उनकी जमकर तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं।

हर महिला की तरह अभिनेत्री काजल अग्रवाल के लिए भी यह बेहद स्पेशल टाइम है। वह सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ प्रेग्नेंसी की जर्नी को शेयर करती रहती हैं और इस दौरान उनके चेहरे पर पहले से भी ज्यादा ग्लो देखने को मिलता है। इन तस्वीरों को देखने के बाद एक फैन ने तारीफ करते हुए लिखा, 'आप सबसे खूबसूरत इंसान हो खूबसूरत दिल के साथ, इसी तरह से एक अन्य ने लिखा, आप जानते हैं, मैंने हमेशा सोचा था कि डिज्नीलैंड 'पृथ्वी पर सबसे खुशहाल जगह' थी, लेकिन इससे पहले कि मुझे आपके बराबर में यहां खड़े होने का मौका मिलेगा।

बीस्ट' और 'केजीएफ 2' का डर

शाहिद कपूर ने 'जर्सी' की रिलीज डेट बदली अब 14 की जगह 22 अप्रैल को आएगी फिल्म

शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' की रिलीज डेट को करीब एक हफ्ते आगे बढ़ा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का यश की 'केजीएफ चैप्टर' और विजय की 'बीस्ट' के साथ बॉक्स ऑफिस पर क्लेस होने की वजह से इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी गई है। शाहिद के अलावा फिल्म में मृणाल ठाकुर भी लीड रोल में हैं।

क्रिटिक्स ने ट्वीट कर दी जानकारी

मूवी क्रिटिक्स और एनालिस्ट, तकण आदर्श ने हाल ही में अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म की तारीख पोस्टपोन होने की जानकारी शेयर की है। अपने ट्वीट में, उन्होंने बताया किया कि फिल्म की डेट करीब सप्ताह आगे बढ़ा दी गई है और अब यह 22 अप्रैल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि स्टेक होल्डर्स ने कल देर रात यह फैसला लिया है।

फिल्म की रिलीज डेट हुई कई बार स्थगित

बता दें, ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है। यह फिल्म पहले 28 अगस्त 2020 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोविड-19 के कारण फिल्म के प्रोड्क्शन में देरी की वजह से इसकी डेट बढ़ाकर 5 नवंबर 2021 कर दी गई। बाद में फिल्म की रिलीज डेट 31 दिसंबर 2021 फाइनल हुई, लेकिन कोविड की तीसरी लहर के कारण इसे फिर से पोस्टपोन कर 14 अप्रैल किया गया था।

फिल्ममेकर अमन गिल ने शेयर की खबर

इस खबर को शेयर करते हुए फिल्ममेकर अमन गिल ने कहा, एक टीम के रूप में, हमने 'जर्सी' में अपना खून-पसीना और आंसू बहाए हैं और हम चाहेंगे कि हमारी फिल्म आप सभी तक पहुंचे। जर्सी अब 22 अप्रैल को रिलीज होगी।

यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फ्लिक होगी

गौतम तिन्ननुरी द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फ्लिक है। जिसमें शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर के अलावा अर्जुन तलवार और विद्या तलवार की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में पंकज कपूर, रोनित कामरा, शिशिर शर्मा, गीतिका महंदरू, रुद्राशीष मजूमदार और ऋतुराज सिंह भी लीड कैरेक्टर्स में शामिल हैं।

क्या आपको भी ऑफिस में दिन के समय आती है नींद? इन आसान से उपायों से पा सकते हैं लाभ

क्या आपको भी अक्सर ऑफिस में काम करते-करते नींद आने लगती है? आंखें बिल्कुल बंद सी होने लगती हैं और सोने की तीव्र इच्छा होती है? सामान्यतौर पर रात में नींद पूरी न कर पाने वाले लोगों में इस तरह की समस्या अधिक देखने को मिलती है। इसके अलावा कुछ और भी अंतर्निहित स्थितियां होती हैं जिसके कारण आपको काम करते समय बहुत तेज नींद का अनुभव हो सकता है। वास्तव में यह स्थिति काफी असहज कर देने वाली होती है, ऐसे में आपको कुछ ऐसे त्वरित उपायों की जरूरत होती है जो पल भर में इस तरह की सुस्ती और नींद को गायब करके आपको तुरंत रिफ्रेश महसूस कराने में मदद कर सकें। ऑफिस में झपकी आने की आदत आपकी नौकरी को खतरे में डाल सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो कुछ लोगों में स्लीप एपनिया जैसी समस्या के कारण इस तरह की दिक्कत हो सकती है, जिसके बारे में डॉक्टरी सलाह लेना आवश्यक हो जाता है। वहीं कुछ सामान्य से उपाय आपको दिन की झपकी को रोकने और रिफ्रेश कराने में मदद कर सकते हैं। काम के समय, दिन की नींद को रोकने के ये तरीके आपके लिए विशेष लाभप्रद हो सकते हैं।

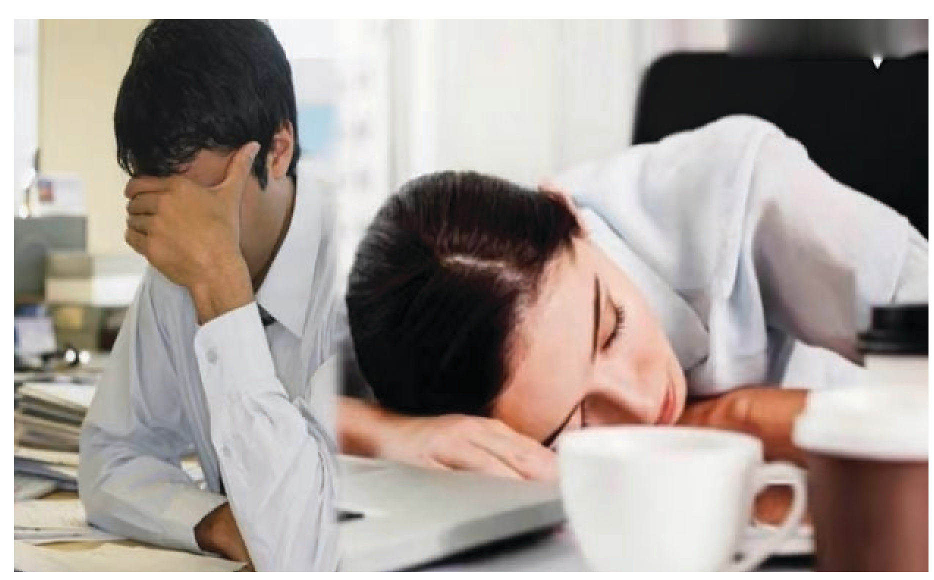

कॉफी की चुस्की

काम के समय आने वाली नींद को तुरंत दूर भगाने के लिए कॉफी सबसे प्रचलित और आसान तरीकों में से एक है। कैफीन का एक शॉट आपको आवश्यक ऊर्जा प्रदान करने के साथ नींद को दूर भगाने में मदद कर सकती है। कैफीन एक उत्तेजक के रूप में काम करती है, जिसका अर्थ है कि यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र में गतिविधि को बढ़ाता है। नींद का एहसास होते ही कॉफी की चुस्की लेने से लाभ मिलेगा।

आसपास घूम लें

बहुत देर तक एक ही स्थान पर बैठने से भी दिन में नींद आने लगती है। समय-समय पर अपने वर्क स्टेशन से उठकर घूमने-फिरने से रक्त का संचार भी बेहतर बना रहता है साथ ही अनावश्यक नींद की समस्या से भी राहत दिलाने में यह कारगर है। यह छोटी सी आदत अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद करती है। बहुत देर तक एक ही जगह पर बैठने से शारीरिक निष्क्रियता का भी जोखिम होता है।

संगीत सुनने से मिलेगा लाभ

नींद के समय मस्तिष्क की तंत्रिकाएं आराम की स्थिति में आ जाती हैं, ऐसे में संगीत सुनने से इन्हें सक्रिय करने और नींद को भगाने में मदद मिल सकती है। ईयरबड्स के माध्यम से संगीत सुनने से न तो आपके आसपास के लोग परेशान होंगे साथ ही आपको नींद से छुटकारा भी मिलेगा। संगीत जितना अधिक उत्साहित होगा, उतना ही बेहतर होगा।

लंच का रखें विशेष ध्यान

दोपहर के समय भारी लंच करने को दिन में नींद आने का प्रमुख कारण माना जाता है। यदि आप दिन में बार-बार नींद आने की समस्या से जूझ रहे हैं, तो लंच हमेशा हल्का रखें। मीठे स्नैक्स, सोडा, या कार्बोहाइड्रेट जैसे सफेद ब्रेड और व्हाइट पास्ता आदि का सेवन न करें। अपनी ऊर्जा को बनाए रखने के लिए दोपहर का भोजन हल्का करें। लंच में फलों को शामिल करें, ये आपको ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करेंगे।

रवीना टंडन से पहले इन हीरोइनों ने निभाया भारत की प्रधानमंत्री का किरदार

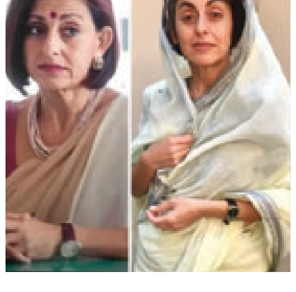

यश स्टारर 'केजीएफ चैप्टर 2' एक दिन बाद यानी 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं और इसका अंदाजा फिल्म की एडवांस बुकिंग से लगाया जा सकता है। इस फिल्म में अभिनेत्री रवीना टंडन भारत की प्रधानमंत्री 'रामिका सेन' का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। ये पहले बार नहीं कि लेडी पीएम को बड़े पर्दे पर दिखाया गया हो। इससे पहले भी कई फिल्मों में भारत की प्रधानमंत्री की भूमिका निभाते हुए कई अभिनेत्रियों को देखा गया हैं। एक फिल्म में तो अभिनेत्री हूबहू प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरह लगी थीं। आइए जानते हैं किन हीरोइनों ने फिल्मों में लेडी पीएम का किरदार निभाया है।

दीपा साहीः- साल 2015 में आई नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे की फिल्म 'मांझीः द माउंटेन मैन' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। इस फिल्म में देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में अभिनेत्री दीपा साही नजर आई थीं। लेडी पीएम का रोल निभाने में काफी हद तक सफल भी हुईं और लोगों को उनका अभिनय पसंद आया था। वहीं, वह फिल्म की प्रोड्यूसर भी थीं।

सुप्रिया विनोदः- फिल्म 'कुछ तो है' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सुप्रिया विनोद ने मधुर भंडारकर की फिल्म 'इंदु सरकार' में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई थी। यह फिल्म 1975 के आपातकाल के दौरान भारत में घटी घटनाओं पर आधारित थी। वहीं, वह अभिनेता से राजनेता बने एनटी रामाराव की बायोपिक 'एनटीआरः कथानायकुडु' और इसके सीक्वल 'एनटीआरः महानायकुडु' में भी इंदिरा गांधी का रोल निभाती दिखाई दी थीं। इसके साथ ही मराठी फिल्म में भी वह इंदिरा गांधी का रोल निभा चुकी हैं।

अवंतिका अकरकरः- 2017 में आई सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म नूर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली अवंतिका अकरकर को उनके लुक्स की वजह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्टारर फिल्म 'ठाकरे' में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनने का मौका मिला था। साल 2019 में आई इस फिल्म में अवंतिका का रोल सिर्फ कुछ मिनट का ही था, लेकिन पर्दे पर इंदिरा गांधी के किरदार को खूबसूरती से उतारने की वजह से वह दर्शकों को याद रह गईं। वहीं, अभिनेत्री रणवीर सिंह की फिल्म 83 में भी लेडी पीएम के रोल में नजर आई थीं।

ब्लड प्रेशर बढ़ना ही नहीं, कम होना भी है खतरनाक

ब्लड प्रेशर को सामान्यतौर पर इसके बढ़ने की समस्या से अधिक जाना जाता है। हाई ब्लड प्रेशर की स्थिति लोगों में अधिक सामान्य है, इसे हाइपरटेंशन के नाम से जाना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि हाइपरटेंशन की ही तरह हाइपोटेंशन की समस्या भी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है? हाइपोटेंशन यानी कि रक्तचाप का स्तर कम हो जाना। ब्लड प्रेशर का लगातार कम बना रहना आपमें चक्कर, गंभीर कमजोरी, एकाग्रता से संबंधित समस्याओं के साथ कई अन्य गंभीर जटिलताएं भी पैदा कर सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसका बढ़ना या कम होना, दोनों ही स्थिति स्वास्थ्य जटिलताओं को बढ़ा सकती है।

डॉक्टर्स बताते हैं, अक्सर हाई ब्लड प्रेशर का इलाज करा रहे लोग, निरंतर अपने रक्तचाप के स्तर पर ध्यान नहीं रख पाते। दवाइयों और अन्य उपायों के कारण ब्लड प्रेशर कम हो जाता है। पर इसका सामान्य से लगातार कम बना रहना आपके लिए बड़ी मुसीबतों का कारण बन सकता है, इसलिए ऐसे रोगियों को समय-समय पर रीडिंग लेते रहना चाहिए, जिससे स्थिति का सही अंदाजा हो सके। आइए हाइपोटेंशन की समस्या के बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

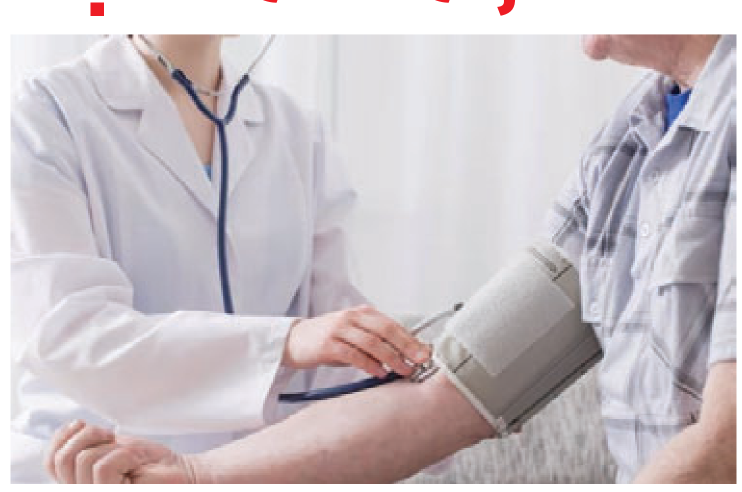

ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या

120/80 mmHg को सामान्य ब्लड प्रेशर माना जाता है। इसका बढ़ना और कम होना दोनों स्थितियां शरीर के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। रक्तचाप का 90/60 mmHg से कम हो जाने की स्थिति को लो ब्लड प्रेशर के रूप में जाना जाता है। रक्तचाप कम होने की कई अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों जैसे कारण हो सकते हैं। यदि आपको लगातार हाइपोटेंशन की दिक्कत महसूस होती रहती है तो इस बारे में डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

हाइपोटेंशन के क्या लक्षण होते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक किन्हीं कारणों से मस्तिष्क को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त रक्त न मिल पाने के कारण हाइपोटेंशन की समस्या हो सकती है। इस स्थिति में लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव हो सकता है।

- चक्कर आना या शरीर का कमजोर महसूस होना।
- बेहोशी की समस्या।
- उल्टी या मितली आना।
- धुंधला या विकृत दिखाई देने लगना।
- सांस का तेज या बहुत धीरे चलना।
- भ्रम या ध्यान केंद्रित करने में परेशानी।
- व्यवहार में असामान्य परिवर्तन होना।

हाइपोटेंशन को कैसे ठीक किया जाता है?

हाइपोटेंशन की ज्यादातर स्थितियों में विशेष उपचार की आवश्यकता नहीं होती है, हालांकि इस बारे में समय पर डॉक्टरी सलाह लेना आवश्यक है जिससे स्थिति का सही निदान किया जा सके। उदाहरण के लिए, यदि हाई ब्लड प्रेशर की दवा के कारण निम्न रक्तचाप की समस्या होती है तो उपचार में आमतौर पर दवा बदलने या खुराक कम करने पर ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा आहार में कुछ सामान्य परिवर्तन करके भी रक्तचाप को कंट्रोल किया जा सकता है।

लो ब्लड प्रेशर में क्या खाना चाहिए?

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लगातार कम बना रहता है उन्हें सीमित मात्रा में नमक पानी का घोल देने से लाभ मिल जाता है। हालांकि यदि पहले से व्यक्ति हाइपरटेंशन का शिकार है तो इसका अधिक सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है। इसके अलावा पानी पीते रहने, कॉफी, तुलसी की पत्तियां चबाने, विटामिन बी-12 वाली चीजों के सेवन से भी रक्तचाप को कंट्रोल किया जा सकता है, पर लगातार बनी रहने वाली हाइपोटेंशन की समस्या में डॉक्टरी सलाह बहुत आवश्यक है।

खास खबर

मेला व खेलकूद के लिए विधायक जैन ने सौंपा 6 लाख रुपए का चेक

जगदलपुर। नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन के सीएसआर, स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के तहत मेला एवं मंडई के आयोजन के लिए पांच लाख एवं खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन के लिए एक लाख रुपए का चेक आयोजन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव (नगरीय प्रशासन एवं श्रम विभाग) रेखचंद जैन ने नगरनार सरपंच लैखन बघेल को सौंपा गया इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आदिवासी संस्कृति और मान्यताओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उनके निर्देश पर ही नगरनार स्टील प्लांट का निर्माण करने वाली कंपनी नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन ने अपने सीएसआर मद से सभी प्रभावित ग्राम पंचायतों को मेला एवं मंडई तथा खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन के लिए राशि उपलब्ध करवा रही है, उन्होंने कहा की बस्तर में ग्राम देवी देवताओं एवं मेला मंडई का अपना विशेष महत्व है। हमारी सरकार आदिवासी संस्कृति एवं सभ्यता तथा मान्यताओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है, तथा इस हेतु राशि उपलब्ध करवा रही हैं।

एमआईसी सदस्य जोगी ने तुंहर पार्षद तुंहर दुवारी शिविर लगाकर जनसमस्याएं सुनीं

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अध्यक्ष सुन्दर लाल जोगी ने नगर निगम रायपुर के दानवीर भामाशाह वार्ड नम्बर 26 के कुकरीतालाब के पास तुंहर पार्षद तुंहर दुवारी शिविर लगाकर सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट, निराश्रित पेंशन, राशन कार्ड, परिवार सहायता से सम्बंधित जनसमस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं सम्बंधित निगम अधिकारियों को वार्डवासियों की समस्याओं का शीघ्र नियमानुकूल निदान जनहित में प्राथमिकता से करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य जोगी ने वार्ड के निवासियों को नए राशन कार्ड वितरित किये, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, काटने की कार्यवाही हेतु आवेदन जमा करवाये, निराश्रित पेंशन एवं परिवार सहायता योजना से सम्बंधित आवेदन जमा करवाये। पार्षद एवं एमआईसी सदस्य जोगी ने शिविर में लोगों से जनसमस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं उनका यथासंभव निदान करवाने के प्रति वार्डवासियों को आश्वास्त किया।

पंचामृत के लक्ष्यों को हासिल करने एक जन आंदोलन की आवश्यकता: डॉ. राजीव कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली (पीआईबी)। नीति आयोग ने सोमवार को नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक-राउंड-1 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य डॉ.वी.के सारस्वत, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत, आलोक कुमार सचिव विद्युत मंत्रालय एवं अपर सचिव (ऊर्जा), नीति आयोग इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

अपर सचिव डॉ. राकेश सरवाल ने रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष प्रस्तुत किए। राज्य, ऊर्जा और जलवायु सूचकांक (एसईसीआई) राउंड-1 में राज्यों के प्रदर्शन को 6 मापदंडों में कार्य प्रदर्शन अर्थात् (1) डिस्कॉम का प्रदर्शन (2) ऊर्जा की पहुंच, सामर्थ्य और विश्वसनीयता (3) स्वच्छ ऊर्जा पहल (4) ऊर्जा दक्षता (5) पर्यावरण में स्थिरता और (6) नई पहल, के आधार पर रैंक दिया गया है। इन मापदंडों को आगे 27 संकेतकों में विभाजित किया गया है। समग्र एसईसीआई राउंड-1 स्कोर के आधार पर, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तीन समूहों फ्रंट रनर, अचीवर्स और एस्पिरेंट्स में वर्गीकृत किया गया है।

राज्यों को आकार और भौगोलिक अंतर के आधार पर बड़े राज्यों, छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुजरात, केरल और पंजाब को बड़े राज्यों की श्रेणी में शीर्ष तीन प्रदर्शनकर्ताओं के रूप में स्थान दिया गया है। गोवा, छोटे राज्यों की श्रेणी में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में उभरा है, इसके बाद त्रिपुरा और मणिपुर का स्थान है। केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़, दिल्ली, दमन और दीव/दादरा और नगर हवेली शीर्ष प्रदर्शनकर्ता हैं। विस्तृत राज्य प्रोफाइल और स्कोरकार्ड को रिपोर्ट में शामिल किया गया है, यह विभिन्न मानकों पर प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के प्रदर्शन का व्यापक स्नैपशॉट उपलब्ध कराती है।

रिपोर्ट के इस संस्करण से पता चलता है कि राज्य स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे आंकड़ों का पता लगाने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करने की जरूरत है ताकि इन्हें रिपोर्ट के भविष्य के संस्करणों में शामिल किया जा सके।

इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि सीओपी-26, ग्लासगो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित पंचामृत के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हमारे प्रयासों को एक जन आंदोलन के रूप में बदलने की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए राज्यों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है। राज्यों द्वारा शासन नवाचार और परस्पर सीखने के कार्यों को लम्बा रास्ता तय करना है, तभी परिणामों में सुधार होगा और एसईसीआई राउंड-1 इस दिशा में बढ़ाया सही कदम है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के सारस्वत ने कहा कि ऊर्जा और जलवायु संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल और साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने यह कहा कि हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद इस रिपोर्ट में राज्यों के प्रदर्शन का पता लगाने और उन्?हें रैंक प्रदान करने के लिए कुछ प्रमुख मापदंडों की पहचान की गई है।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु अनुकूल नीतिगत माहौल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य, ऊर्जा एवं जलवायु सूचकांक राउंड-1 ऊर्जा क्षेत्र के बारे में राज्यों के साथ बातचीत शुरू करने में मदद करेगा ताकि आवश्यक नीतिगत सुधार किए जा सकें।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उत्तम शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने लगातार कार्य कर रही है राज्य सरकार

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल द्वारा उ.मा.विद्यालय सेक्टर-3 बालको नगर में छात्राओं को नि:शुल्क सायकलों का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आज कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं उत्तम शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस दिशा में विगत 03 वर्षो में अनेक उपलब्धियॉ हासिल की गई हैं। उन्होने कहा कि गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कर सकें, उन्हें उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त हो, इस हेतु राज्य सरकार ने जगह-जगह पर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले हैं तथा उच्च स्तर की शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

उक्ताशय के विचार राजस्व मंत्री अग्रवाल ने बालको नगर सेक्टर-3 में छात्राओं को सायकल वितरण के कार्यक्रम के अवसर पर व्यक्त किए। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने छात्राओं को सायकलों का वितरण किया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इसके पूर्व राजस्व मंत्री अग्रवाल ने मॉ सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री अग्रवाल ने आगे कहा कि आज इस विद्यालय में अच्छी क्वालिटी की सायकलों का वितरण छात्राओं को किया जा रहा है, छात्राओं को सायकल उपलब्ध हो जाने से उन्हें घर से विद्यालय व विद्यालय से घर आने जाने में काफी सहूलियत हो जाएगी, उनके श्रम एवं समय की बचत होगी, जिसका उपयोग वे अपने अध्ययन कार्यो में कर सकेंगी। उन्होने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप खूब पढ़े, आगे बढ़े तथा जिले व प्रदेश का नाम रौशन करें। राजस्व मंत्री अग्रवाल ने आगे कहा कि नगर निगम कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित सभी विद्यालयों का जीर्णोद्धार, उन्नयन एवं वहॉं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जाएगा, इस दिशा में कायवाही की जा रही है।

इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल क्षेत्र के सर्वागीण विकास के साथ-साथ कोरबा में शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं के लिए लगातार मार्गदर्शन व योगदान प्रदान कर रहे हैं, उन्ही के प्रयास से निगम के वार्ड क्र. 01 में 07 करोड़ रूपये की लागत से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भव्य भवन निर्मित हो रहा है, निगम क्षेत्र में स्थित सभी विद्यालयों के जीर्णोद्धार व मरम्मत तथा वहॉं पर अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राजस्व मंत्री अग्रवाल दृढ़संकल्पित हैं। उन्होने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि कोरबा के विकास के लिए उनका लगातार मार्गदर्शन मिल रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप हम अपने कार्यो में सफल हो रहे हैं।

सायकल वितरण कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के अभिभावकगण काफी संख्या में उपस्थित थे, अभिभावकगणों ने छात्राओं को नि:शुल्क सायकल उपलब्ध कराने के लिए तथा अपने हाथों से उन्हें सायकल प्रदान करने के लिए राजस्व मंत्री अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनोकांता पाल ने विद्यालय के संबंध में अपना विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा वहॉं अध्ययन, अध्यापन कार्यो व प्राप्त उपलब्धियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष अजय जायसवाल, पूर्व पार्षद महेश अग्रवाल, बद्रीकिरण, शिक्षण समिति के अध्यक्ष प्रभात डडसेना, दुष्यंत शर्मा, उप प्राचार्य एन.के.राठौर सहित काफी संख्या में अभिभावकगण व अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

केंद्र शासित प्रदेश की विकास से जुड़ी उपलब्धियों को रेखांकित करने की जरूरत: अपूर्व चंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव अपूर्व चंद्र ने आज श्रीनगर में 30 जून, 2022 से शुरू हो रही आगामी 43 दिवसीय अमरनाथजी यात्रा के व्यापक प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित की।

बैठक में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव; जम्मू और कश्मीर सरकार के मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता; अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतिश्वर कुमार; जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रमुख सचिव रोहित कंसल; केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी; सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव विक्रम सहाय; आकाशवाणी के प्रमुख महानिदेशक (समाचार) एन.वी. रेड्डी; दूरदर्शन के महानिदेशक मयंक अग्रवाल; पत्र सूचना कार्यालय, श्रीनगर के अपर महानिदेशक राजिंदर चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपूर्व चंद्र ने कहा कि तीर्थयात्रा की पूरी अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अनुमान के आधार पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों द्वारा प्रचार गतिविधियों की योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमरनाथजी यात्रा की गतिविधियों से जुड़े कवरेज को पूरे देश में प्रसारित किया जाएगा और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों के कवरेज पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में किए गए विकास कार्यों के संबंध में केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में लोगों को जानकारी देने की आवश्यकता है। पूरे देश में इस क्षेत्र के संबंध में ऐसी सकारात्मक बातों को विस्तार से बताये जाने की जरूरत है। चंद्र ने कहा कि इस वर्ष की यात्रा में छह से आठ लाख तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है।

बैठक में मुख्य सचिव अरुण कुमार ने कहा कि इस साल की अमरनाथ यात्रा यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं और निर्बाध यात्रा अनुभव के कारण रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर रहेगी।

विद्यार्थियों ने चित्र के माध्यम से बताए स्वस्थ रहने के तरीके

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर चित्रकला व भाषण स्पर्धा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के अग्रणी महाविद्यालय किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

28 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी रायगढ़ के कमान अधिकारी कर्नल विनय मल्होत्रा एवं लेफ्टिनेंट कर्नल संतोष रावत के आदेशानुसार एवं किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अंजनी तिवारी के निर्देशानुसार, डॉ शारदा घोगरे लेफ्टिनेंट के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में चित्रकला तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला का विषय था 'शारीरिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाने के तरीके' व भाषण प्रतियोगिता का विषय 'हाउ टो प्रमोट फिजिकल एंड मेंटल हेल्थ' था।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी कैडेट्स ने भी भाग लिया। इसका उद्देश्य छात्रों को शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट सपना तिवारी एवं बबिता विश्वकर्मा का प्रथम स्थान रहा तथा द्वितीय स्थान पर हरीश एवं मनीष तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जया निर्मलकर का द्वितीय स्थान सृष्टि मिश्रा का रहा। डॉक्टर लक्ष ईश्वरी कुर्रे, तथा भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. श्वेता तिवारी तथा दिनेश देवांगन रहे।

महापौर एसएलआरएम सेंटर रामनगर में गौठान दिवस कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरूवा और बाड़ी के तहत विगत 04 अप्रैल से 16 अप्रैल 2022 तक गौठानवार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में नगर पालिक निगम रायपुर के पत्र दिनांक 01 अप्रैल 2022 के परिपालन में दिनांक 11 अप्रैल 2022 को एसएलआरएम सेंटर रामनगर कोटा रोड रायपुर में गौठान दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में पहुंचकर नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने रामनगर एसएलआरएम सेंटर की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन कर नगर निगम जोन क्रमांक 7 के जोन अध्यक्ष मनीराम साहू, पार्षद सर्व अमर बंसल, प्रकाश जगत, निगम अपर आयुक्त सुनील चंद्रवंशी, पूर्व पार्षद डॉक्टर भागवत साहू, ब्लॉक अध्यक्ष देव कुमार साहू, एसएलआरएम सेंटर रामनगर की संचालनकर्ता माँ पद्मावती स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती लता साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती नंतरी साहू, सचिव श्रीमती अनिता पटेल सहित समूह की सदस्य महिलाओं की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 7 के प्रभारी जोन कमिश्नर रघुमणि प्रधान एवं जोन सहायक राजस्व अधिकारी अमरनाथ साहू को स्थल पर एसएलआरएम सेंटर रामनगर की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर संतोष व्यक्त कर जनहित की दृष्टि से आवश्यक निर्देश दिये। प्रदर्शन कार्यरत महिला स्व-सहायता समूह एवं गोबर विक्रेताओं से चर्चा और खाद विक्रय, अन्य उत्पाद बनाने और साथ ही गौठान को मल्टी एक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

Emailid:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148

-:: मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक /ज.प्र.वि./2022-23 / 14 दिनांक 11/4/22

नगर पालिक निगम, दुर्ग के द्वारा इच्छुक पंजीकृत निविदाकार/ के द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु नॉन एस.ओ.आर. दर पर स्पीड पोष्ट/रजिस्टर्ड पोष्ट के माध्यम से मुहर बंद तीन लिफाफा पद्धति में जलगृह विभाग में दिनांक 2/5/22 को शाम 5:30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा दिनांक 4/5/22 ...को शाम 4:30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कक्ष में खोली जावेगी। निविदा खोलने के समय निविदाकार या उनके प्रतिनिधी उपस्थित रह सकते है। निविदा कार्य हेतु निविदाकार के द्वारा कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने पर ही परीक्षण उपरांत ही निविदा प्रपत्र जारी की जावेगी। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25/4/22 ....है। आवेदन के साथ जीवित पंजीयन की कापी, जी.एस.टी. प्रमाण पत्र, पेनकार्ड की कापी विगत वर्ष 2020-21 या 2021-22 का ITR (इन्कम टैक्स रिटर्न) की प्रति, संलग्न प्रपत्रों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 2. निविदा प्रपत्र की जारी करने की अंतिम तिथि 26/4/22 है

क.	कार्य का नाम	अनु0 लागत (रू. लाख)	निविदा प्राप्ति दिनांक
1	पाईप लाईन लिकेज रिपेयरिंग कार्य वर्ष 2022-23 हेतु (100 MM Dia से 300 MM Dia)	रू. 19,71,000.00	11/4/22 से 2/5/22 खोलने की तिथि 4/5/22
2	बोरिंग मरम्मत/संधारण कार्य वर्ष 2022-23 हेतु	रू. 19,62,000.00	11/4/22 से 2/5/22 खोलने की तिथि 4/5/22

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

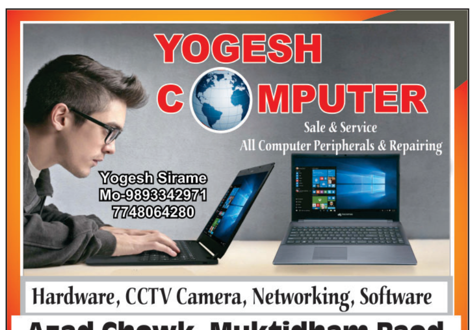

खास-खबर

भूत का भय दिखाकर 2 लाख का फ्रॉडः पूजा-पाठ के नाम पर लिए गहने-रुपए

जशपुर (ए)। जशपुर में कुछ लोगों ने भूत-प्रेत का डर दिखाकर एक महिला से दो लाख रुपए से ज्यादा की ठगी कर ली। पूजा-पाठ कराने के नाम पर शातिर ठग कपड़े में कागज के बंडल देकर रुपए और गहने ले भाग निकले। ठगों ने उसे कपड़े में बांधकर कागज के बंडल दिए और गहने-रुपए बताकर उसकी पूजा करने को कहा। जब महिला ने तीन दिन बाद कपड़ा खोला तो उसे ठगी का पता चला। इसके बाद वह थाने पहुंची और एफआईआर दर्ज कराई।

जानकारी के मुताबिक, कुनकुरी क्षेत्र के कमतरा गांव निवासी महिला शीलवन्ती बाई पत्नी जातरू राम 31 मार्च को घर में अकेली थी। तभी महिला, पुरूष और बच्चे सहित 8 लोग उसके घर के पास आए। सभी रात में वहीं रुके और खाना भी बनाकर खाया। शीलवन्ती बाई ने देखा तो उनसे बातचीत शुरू कर दी। ठगों ने उसे बातों में फंसाया और घर की समस्या के बारे में पूछने लगे। इस पर शीलवन्ती बाई ने उन्हें सब बता दिया। ठगों ने शीलवंती बाई को पुजारी जैसे एक व्यक्ति की फोटो दिखाई और कहा कि तुम्हारे घर में प्रेत का साया है। पूजा-पाठ करना पड़ेगा। इसके लिए 1.50 लाख रुपए लगेंगे। उनकी बातों में आकर शीलवन्ती तैयार हो गई और 2-3 दिन में रुपयों का इंतजाम करने को कहा। उसने अपने खाते से 80 हजार रुपए निकाले और खुद के पास रखे 1.62 लाख रुपए ठगों के हाथ में दे दिए। फिर ठगों के कहने पर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर भी दिए। ठगों ने वह सारे रुपए और गहने एक कपड़े की पोटली बनाकर बांध दिए और उसे एक लाल थैले के अंदर रख दिए। कहा कि इसकी रोज पूजा करना और तीन दिन बाद खोलना। उनकी बातों में आकर शीलवन्ती रोज पूजा करती रही, लेकिन 8 अप्रैल की शाम जब उसने कपड़े का थैला खोला तो उसमें से कागज के बंडल निकले। उसके साथ ही एक सूखा हुआ नारियल पड़ा था। इसके बाद शीलवन्ती ने पति को इसकी जानकारी दी।

सूना मकान पाया तो पार कर दिए कैशः शादी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे पति-पत्नी, वापस लौटे तो घर के अंदर मिले 2 चोर

जशपुर (ए)। जशपुर जिले में 2 चोरों ने मिलकर एक सूने मकान से हजारों रुपए कैश पार कर दिए। वो घर में घुसकर कुछ और ले जाने के फिराक में थे। इस पहले ही घर मालिक अपनी पत्नी के साथ घर पहुंच गया। तब दोनों अंदर ही मिले। मगर पैसे लेकर भगाने में सफल हो गए थे। जिसके बाद घर मालिक ने दोनों का पीछा किया था और एक को पकड़ लिया था। लेकिन दूसर चोर फरार हो गया था। उसे अब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला आस्ता थाना क्षेत्र का है। तिगरा निवासी नवीन खलखो ने 8 अप्रैल को मामले में पुलिस से शिकायत की थी। नवीन ने बताया कि 7 अप्रैल की रात को वह अपने पत्नी के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात को वह 11.30 बजे जब वापस लौटा तो देखा कि घर के अंदर 2 युवक घुसे हुए हैं। ये देखते हुए नवीन ने उसने पूछना शूरू किया। तब तक दोनों चोर हाथ में 46 हजार लेकर भाग निकले। इस पर नवीन ने उनका पीछा किया और आस-पास के लोगों की मदद से एक चोर को पकड़ लिया। मगर दूसरा आरोपी भाग निकला था।

नवीन ने बताया था कि पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम प्रदीप भगत बताया। उसके पास से करीब 25 हजार रुपए भी मिल गए थे। प्रदीप ने बताया था कि उसके साथी का नाम अभय चौहान(23) है। बाकी के पैसे वही लेकर भागा है। जिसके बाद नवीन ने प्रदीप को पुलिस के हवाले कर दिया था।

बीच रास्ते में पत्नी को मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

वारदात को अंजाम देकर भाग गया मुंबई बीवी के साथ नहीं रहने से था नाराज

रायपुर (ए)। पिछले एक साल से जिस सनकी पति को पुलिस ढूंढ रही थी आखिरकार वो मिल ही गया। इसने अपनी पत्नी को चाकू मार दिया था। वो महिला की हत्या कर देना चाहता था। घटना के बाद से ही आरोपी पति फरार था, मगर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। अब आनंद साहू नाम के युवक को आमानाका थाना पुलिस टीम ने पकड़ा है।

घटना 5 जून 2021 की है। आनंद की पत्नी रानू आनंद से अलग होने के बाद एक किराए के मकान में रह रही थी। 26 साल की रानू का इसके पति से आए दिन झगड़ा हुआ करता था। वो अक्सर इसे गुस्से में आकर मामूली घरेलू बातों पर पीट दिया करता था। अलग रहने की वजह से भी दोनों के बीच अनबन होती रहती थी।

घटना के दिन राजीव नगर इलाके में किराने की दुकान जा रही रानू का रास्ता उसके पति आनंद ने रोक लिया। वो कहने लगा कि तुम्हें किसी भी कीमत पर मेरे साथ ही रहना होगा। दोनों के बीच इस बात को लेकर बीच रास्ते में ही कहासुनी हो गई। तैश में आकर अपनी कमर में फंसा चाकू आनंद ने निकाला और अपनी बीवी के पेट में घोंप दिया। महिला वहीं लहुलुहान होकर गिर पड़ी, ये देख आनंद भाग गया और तब कुछ राहगीरों ने महिला की मदद कर उसे अस्पताल पहुंचाया। रानू फिलहाल ठीक है, उसने अपने पति के खिलाफ शिकायत की और सारी बात पुलिस को बताई।

महिला की शिकायत के बाद पुलिस आनंद को तलाश रही थी मगर उसे पकड़ नहीं पाई। अब एक साल बाद आनंद खुद मामला ठंडा होता देख रायपुर आया। यहां कुछ काम की तलाश में था कि पुलिस के खबरियों ने थाने में खबर दे दी। पुलिस ने अब आनंद को गांधी मैदान की उस जगह से पकड़ा है जहां मजदूर काम की तलाश में जमा होते हैं। पकड़ में आने के बाद आनंद ने बताया कि वो भागकर सीधे मुंबई चला गया था। वहां काम किया, उसे लगा इतने दिनों बाद लौटेगा तो कुछ नहीं होगा, मगर पकड़ा गया। अब पुलिस इसके परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

साइबर फ्रॉड जागरूकताः सेक्सटार्शन और ऑनलाइन फ्रॉड से ग्रामीणों को बचाने हर गांव में लगेगी चौपाल

भिलाई। साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों से निपटने और ग्रामीणों को ऐसी ठगी से बचाने के लिए पुलिस ने जिले में मुहिम शुरू की है। इसके तहत हर गांव में चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया जाना तय किया गया है। इतना ही नहीं हर थानेदार को अधिकतम 5 गांव के सभी ग्रामीणों को सेक्सटार्शन, साइबर फ्रॉड के बारे में जानकारी दी जा रही है, अंडा, अमलेश्वर और पाटन के 40 से अधिक गांव तक पहुंची। जहां 450 से ज्यादा ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

ग्रामीण बुजुर्ग और युवा सेक्सटॉर्शन से ज्यादा हो रहे हैं शिकार

एएसपी ग्रामीण अनंत साहू ने बताया कि बोरी थाने में पकड़ाए आरोपी वकील के आपराधिक रिकॉर्ड से पता चला कि लोग सेक्सटॉर्शन के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। इसलिए जागरूकता के लिए जन चौपाल शुरू की गई है। गैंग सेक्सटॉर्शन के जरिये ब्लैकमेल करके 5 से 10 हजार रुपयों की मांग करते हैं। ठगी का शिकार होने के बाद लोग सामने नहीं आते। ऐसे में कार्रवाई नहीं हो पाती। लोगों को बताया गया कि ठगी का शिकार होने के बाद सबसे पहले पुलिस से संपर्क करना है।

जांच में अक्सर ऐसी बात सामने आती है कि लोग जानकारी के अभाव में साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं। ठग अलग-अलग अफसर बनकर लोगों से संपर्क करके ठगी करते हैं। जानकारी नहीं होने के कारण बैंक की जानकारी और ओटीपी नंबर शेयर कर देते हैं। जागरूकता के जरिए ठगी का तरीके और उससे बचने के उपाय की जानकारी ग्रामीणों को दी जा रही है। जागरुकता में कमी को देखते हुए ही पुलिस विभाग ने इस अभियान को शुरू किया है। ताकि क्राइम कम हो सके।

सेक्सटॉर्शन के आरोपी का वीडियो अवेरनेस के लिए ज्यादा असरदार

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ठगी करने के तरीके का एक वीडियो बनाया गया था। जिसमें आरोपी ने सोशल मीडिया से पीड़ितों से संपर्क करने से लेकर अश्लील वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने की पूरी जानकारी दी थी। आरोपी का वीडियो देखकर लोग आसानी से सेक्सटॉर्शन के जरिए होने वाली ठगी को समझ रहे हैं। सभी थानेदारों को प्रतिदिन 2 से 5 गांव जाकर साइबर फ्रॉड, ट्रैफिक अवेरनेस की जानकारी देने का टारगेट दिया गया।

मारपीट करने से रोका तो चाकू से किए वारः बारातियों को मार रहे थे बदमाश

कोरबा (ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक युवक पर चाकू से हमलाकर उसे घायल कर दिया गया। इतना ही नहीं चाकू से हमला करने के बाद उससे मारपीट भी गई है। पता चला है कि युवक ने बदमाशों को बारातियों से मारपीट करने से रोका था। इसी बात से नाराज बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया और भाग गए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

संजय नगर का रहने वाला मिथिलेश जायसवाल(33) रविवार रात को अपने किसी पहचान के शख्स के यहां शादी में इतवारी बाजार क्षेत्र के सामुदायिक भवन में गया था। यहां बारात रायगढ़ से आई थी। बताया गया है कि बारात भवन में पहुंच गई थी। इसी वक्त कुछ लोग वहां पहुंचे और शराब के नशे में कुछ बारातियों से मारपीट करने लगे। इसी बात का मिथिलेश ने विरोध किया था।

आस-पास के लोगों का कहना है कि मिथिलेश ने जैसे ही उन्हें रोका तो वह उस पर टूट पड़े। पहले तो कुछ बदमाशों ने मिथिलेश पर चाकू से कई वार किए। फिर जमीन पर पटकर जमकर पीटा भी। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। घटना के बाद युवक को अस्पताल लाया गया था। जहां उसका इलाज किया गया है। वहीं पुलिस को भी सूचना दी गई थी। अब पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एनडीपीएस की कार्रवाई में बारीकी से हो जानकारी, छोटी सी चूक पर छूट जाते हैं अपराधी

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस द्वारा वृंदावन हाल में एनडीपीएस अधिनियम (स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम) और विवेचना संबंधी एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में उपस्थित अधिकारियों ने पुलिस विवेचकों को एनडीपीएस अधिनियम की सभी धाराओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

सेमिनार में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस अतुल विश्वकर्मा ने कहा कि आरोपित तकनीकी प्रविधानों का पालन नहीं होने और खामियां छोड़ देने की वजह से बरी हो जाते हैं। इस कानून की तकनीकी पहलुओं पर मामले दर्ज करने वाले व प्रकरण में कार्यवाही करने वाले पुलिस के थाना अधिकारी, जब्ती अधिकारी और रेड पार्टी के सदस्यों को कानून की बारीकियों की जानकारी होनी चाहिए। कानून को लेकर दिन प्रतिदिन सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट द्वारा दिए जाने वाले निर्णय एवं दिशा निर्देशों को लेकर भी पुलिस अधिकारी अपडेट रहना जरूरी है। पूरी जानकारी नहीं होने की वजह से प्रकरण की जांच कमजोर होती है और न्यायालय में आरोप साबित करना कठिन हो जाता है। रेड पार्टी के सदस्यों को इस कानून के जानकार होना जरूरी है। सेमिनार में इस बात पर भी गहन विचार-विमर्श व मंथन किया गया है कि पुलिस व अभियोजन का तालमेल भी अभियुक्तों को प्रकरण में सजा दिलाने में आवश्यक है ताकि प्रकरणों का निस्तारण त्वरित गति से विधिपूर्ण तरीके से किया जा सके।

सेमिनार में की अध्यक्षता एसएसपी रायपुर प्रशांत अग्रवाल ने की। इस दौरान विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस अतुल विश्वकर्मा रायपुर, सेवानिवृत्त उप संचालक लोक अभियोजन जीपी मालवीय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक रत्ना सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर जितेन्द्र चंद्राकर, अधिवक्ता सुरेंद्र महापात्र और रायपुर पुलिस के लगभग 100 पुलिस विवेचक उपस्थित थे।

बनाई गई है नार्कोटिक्स सेल

प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को देखते हुए पुलिस विभाग ने नार्कोटिक्स सेल का गठन किया गया है। इसके अलग-अलग प्रभारी बना गए हैं। सेल के गठन के बाद नशे के खिलाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई की थी। प्रदेश के सूखे नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा।

छठ घाट में मिली महिला की लाश, पहचान में जुटी पुलिस

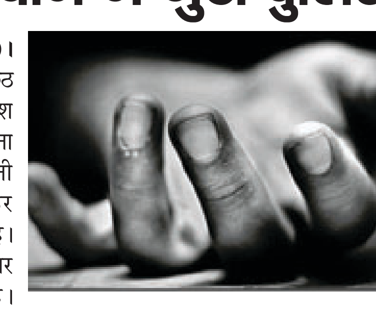

बिलासपुर (ए)। सोमवार की सुबह छठ घाट में महिला की लाश मिली है। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने पानी से शव निकलवाकर पहचान शुरू कर दी है। शव को सिम्स के चीरघर में रखवाया गया है। आसपास के थानों से गुम इंसान की जानकारी ली जा रही है।

रविवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि छठ घाट के पास अरपा नदी में एक महिला का शव पानी में तैर रहा है। इस पर तोरवा पुलिस मौके पर पहुंच गई। आसपास के लोगों की मदद से शव निकलवाकर उसकी पहचान की कोशिश की गई। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने शव सिम्स के चीर घर भेज दिया है। पुलिस ने आसपास के थानों से गुम इंसान की जानकारी मांगी है। इसके आधार पर शव की पहचान की कोशिश की जा रही है।

हाई कोर्ट के इतिहास में दूसरा मौका जब सप्ताहभर के भीतर रात में हुई सुनवाई

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के 22 साल के इतिहास में यह दूसरी बार है जब हाई कोर्ट में रात को सुनवाई हुई। रविवार अवकाश के दिन कोर्ट खुला और पूरी प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों सुना। जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस आरसीएस सामंत की युगलपीठ ने सुनवाई के बाद डेंटल कालेज में प्रवेश की प्रक्रिया को 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है। डेंटल कालेजों में प्रवेश के लिए चिकित्सा संचालक कार्यालय द्वारा नौ अप्रैल की रात सूची जारी की गई थी और 10 अप्रैल तक काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। इस आदेश के खिलाफत्रिवेणी डेंटल कालेज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस आरसीएस सामंत की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। रविवार रात को हाई कोर्ट खुला और डिवीजन बेंच ने याचिका पर सुनवाई प्रारंभ की। राज्य शासन के चिकित्सा संचालक ने बीते नौ अप्रैल की रात डेंटल कालेजों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए मापअप राउंड की काउंसिलिंग के लिए 1,137 स्टूडेंट्स की सूची जारी करते हुए इसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। साथ ही काउंसिलिंग की प्रक्रिया रविवार 10 अप्रैल को ही पूरी करने कहा गया। चिकित्सा संचालक के आदेश के खिलाफ बिलासपुर के त्रिवेणी डेंटल कालेज ने सीनियर एडवोकेट डा. निर्मल शुक्ला, एडवोकेट शैलेंद्र शुक्ला और अर्जित तिवारी के जरिए हाई कोर्ट में रविवार को ही रजिस्ट्रार जनरल से चर्चा की और शीघ्र सुनवाई के लिए याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति मांगी। मामले को देखते हुए रजिस्ट्रार जनरल ने चीफ जस्टिस एके गोस्वामी को इसकी जानकारी दी।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

राशनकार्ड, आधारकार्ड और अन्य पहचान पत्र की लगाया गया विशेष शिविर

दुर्ग। जवाहर मार्केट छावनी में आग लगने के कारण वहां के निवासरत लोगों के संकट को कम करने के लिए जिला प्रशासन कई कैंप और शिविर की व्यवस्था लगातर कर रही है। इस घटना के दौरान लोगों के राशनकार्ड से लेकर अन्य पहचान पत्र भी आग से क्षति ग्रस्त हो गए। लोगों के जीवन निर्वाह में किसी भी प्रकार की समस्या पैदा न हो इसके लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने निर्देश पर राशनकार्ड, आधारकार्ड और अन्य पहचान पत्रों के लिए प्रशासन के द्वारा विशेष कैंप और शिविर का आयोजन किया जा रहा है। क्षतिग्रस्त लोगों को राशनकार्ड मुहैया कराकर उनके भोजन की व्यवस्था कराना प्रशासन का प्रथम लक्ष्य है। जिन लोगों के पास मोबाइल से लेकर कोई भी डॉक्यूमेंट उपलब्ध नहीं है उन लोगों के बायोमेट्रिक डेटा से उन्हें राशनकार्ड और आईडी उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्य लोगों को उनके पास उपस्थित डॉक्यूमेंटस के आधार पर राशनकार्ड और अन्य आईडी अपडेट करके मुहैया कराया जा रहा है। शिविर में ये सारी व्यवस्थायें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ दुर्ग निगम लगातार कर रही है अर्थदंड की कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम,आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर इंद्रिरा मार्केट,गौरव पथ, सेन्ट्रल जेल के पास, महाराजा चौक, बोरसी चौक,पुलगांव चौक,नलघर के सामने न्यू बस स्टेण्ड के अलावा अन्य जगहों में बाजार विभाग टीम के बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,ईश्वर वर्मा,भुवन दास साहू,शशिकांत यादव ने सोमवार को भी प्रतिबंधित पॉलीथिन डिस्पोजल, कैरी बैग व सभी पदार्थ जब्ती एवम जुर्माने की कार्यवाही की।निगम अधिकारी ग्राहक बनकर दुकानों में पहुंचे एवम जुर्माने तथा जप्ती की कार्यवाही की ।भारत सरकार, राज्य शासन व नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इनको निर्देशित किया है। प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुच रहा है। यह ऐसा पदार्थ है जो कभी नष्ट नहीं होता। निगम के बाजार विभाग की टीम ने 35 छोटे-बड़े व्यापारियों से कार्रवाई के दौरान छापेमारी में झिल्ली से अर्थ दंड कर गंदगी फैलाने वाले व्यवसायियों विनोद, बरखु, बबलू, आदर्श इत्यादि लोगो से अर्थ दंड भी वसूल किया गया।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने किया सीमार्ट का शुभारंभ

एसएचजी की महिलाओं द्वारा बनाई गई सामग्री का ब्रांड बनने का सपना हुआ पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अपने देश में लोग सबसे ज्यादा भरोसा घर की बनी हुई चीजों का करते हैं। इसमें गुणवत्ता का भरोसा होता है। ग्राहकों को भी सही दाम पर चीजें मिलती हैं और विक्रेताओं को भी अच्छा मुनाफा होता है। हमारी महिलाएं गुणवत्तायुक्त चीजें तैयार तो कर रही थीं लेकिन बाजार तक इनकी सीधी पहुँच नहीं थी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सीमार्ट आरंभ करने का निर्णय लिया ताकि समूह की महिलाओं के सुंदर उत्पादों के डिस्प्ले के लिए महत्वपूर्ण जगह मिले। आज दुर्ग में पहला सीमार्ट उद्घाटित हुआ है। एसएचजी की महिलाओं द्वारा बनाई गई सामग्री यहां दिखाई गई है। इनका ब्रांड आज मार्ट में उपलब्ध है। यह बड़ी सफलता है। यह बातें गृह एवं लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने जनपद पंचायत परिसर में सीमार्ट के शुभारंभ के अवसर पर कही।

अपने उद्बोधन में गृह मंत्री ने कहा कि अभी मैंने सीमार्ट की सामग्री देखी। आप लोगों की सामग्री की विशेषता होती है कि लोगों को इसकी गुणवत्ता पर संदेह नहीं होता। बाड़ी योजना के माध्यम से जो उत्पादन आप लोग कर रही हैं उनका डिस्प्ले भी यहां किया गया है। मिर्च-मसाले और इनके पावडर ब्रांड नेम के साथ आप लोग विक्रय कर रही हैं। बाजार में लंबे समय तक टिके रहने एवं ठोस लाभ कमाने के लिए अपनी गुणवत्ता पर हमेशा ध्यान देना जरूरी होता है। इसके साथ ही सीमार्ट में सामग्री का भी विस्तार करें।

अपने उद्बोधन में विधायक अरुण वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने न केवल गौठानों के माध्यम से एसएचजी की महिलाओं को रोजगारमूलक गतिविधियों का रास्ता दिखाया अपितु इनके उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग और मार्केटिंग की व्यवस्था कर तथा सीमार्ट जैसे सेंटर आरंभ कर दिये ताकि इनके निर्माताओं को बड़ा बाजार मिल सके।

उन्होंने कहा कि एक ही छत के नीचे बहुत तरह की वैरायटी उपलब्ध कराई गई है और सभी की गुणवत्ता बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से गौठान में रोजगारमूलक गतिविधियों का सृजन हो रहा है और उत्पादों की गुणवत्ता पर कार्य किया जा रहा है। शीघ्र ही सीमार्ट से उपभोक्ताओं की सभी आवश्यकताएं पूरी होंगी। अपने संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शालिनी रिवेंद्र यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में एसएचजी की महिलाओं द्वारा बनाई गई सामग्री की काफी डिमांड रहती है लेकिन माँग होने के बावजूद विक्रय के एक स्थायी केंद्र के अभाव में समन्वय नहीं बन पा रहा था। अब यह समस्या दूर होगी।

सेल-बीएसपी ने सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित करने के लिए बेसिल के साथ समझौते पर किये हस्ताक्षर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने 08 अप्रैल, 2022 को बीएसपी में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना के संबंध में मेमर्स ब्राडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। यह टर्नकी प्रोजेक्ट का टेंडर बेसिल को 19.89 करोड़ रुपये में दिया गया है।

सीजीएम (इंस्ट्रुमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) असित साहा और जीएम (प्रभारी कमर्शियल, सेल) पीएच शर्मा, सहायक प्रबंधक (आईटी, बेसिल) विशाल सिंह रोतेले के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस कांट्रैक्ट के माध्यम से सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के 30 किमी से अधिक परिधीय क्षेत्र तक के चहूंओर सुरक्षा और निगरानी हेतु 570 से अधिक उच्च विशेषताओं वाले कैमरों की स्थापना की जायेगी तथा इस हेतु वैगन मॉनीटरिंग प्रणाली, एएनपीआर के साथ मॉनीटरिंग स्टेशन तथा पूरे क्षेत्र की निगरानी हेतु कमांड और नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जायेगी। यह परियोजना भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा और निगरानी को कई गुना मजबूती प्रदान करेगी तथा इस्पात संयंत्रों की निगरानी और सतर्कता हेतु नए युग के उपकरणों के लिए एक रोडमैप तैयार करेगी। यह परियोजना अनिवार्य रूप से आत्मानिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की भावना का प्रतीक है।

तपती धूप में प्रभावितों को सहारा देने नींबू पानी और आम पना की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर प्रभावितों के लिए जरूरी सुविधा मुहैया कराई जा रही है। सूर्या नगर में झुग्गी बस्ती के घर जल जाने से प्रभावित लोगों के फिर से व्यवस्थापन के लिए निगम ने बांस, बल्ली की व्यवस्था प्रभावितों के लिए की है। प्रभावित परिवार फिर से अपना घर बनाना प्रारंभ कर चुके हैं, भीषण गर्मी में अपना आशियाना तैयार कर रहे हैं। इसे देखकर महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने प्रभावित परिवार के सदस्यों के लिए नींबू पानी और आम पना की व्यवस्था स्पॉट पर ही की है ताकि गर्मी से राहत मिल सके। प्रभावितों के लिए भोजन की व्यवस्था भी बस्तियों में ही की गई है तथा पेयजल व्यवस्था के लिए निगम के पानी टैंकर एवं अन्य संसाधन 24 घंटा मौजूद है। चुकि प्रभावित परिवार पुन: बस्ती में घर बनाने में जुटा हुआ है इसलिए सारे संसाधन बस्ती में ही निगम प्रशासन मुहैया कराने का प्रयास कर रहा है। आज महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, महापौर परिषद के सदस्य एकांश बंछोर, जोन अध्यक्ष संतोष नाथ सिंह उर्फ जालंधर, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने प्रभावित परिवार के सभी सदस्यों को दैनिक उपभोग के लिए बाल्टी का वितरण किया।

भारत सरकार के खेलो इंडिया टूर्नामेंट में रेफ्री के रूप में चयन

विनोद नायर एवं सुश्री सरोज बाला ने भिलाई का किया नाम रौशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के एनफोर्समेंट में कार्यरत प्रतिभाषाली खिलाड़ी विनोद नायर तथा बीएसपी के वित्त एवं लेखा विभाग में कार्यरत ऊर्जावान खिलाड़ी सुश्री सरोज बाला ने अपने खेल प्रतिभा से भिलाई का नाम रौषन किया है।

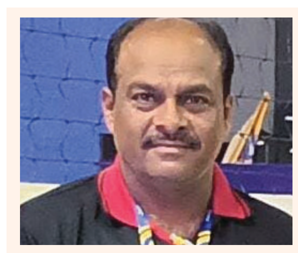

बीएसपी के विनोद नायर एवं सुश्री सरोज बाला का चयन भारत सरकार के स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा खेलों इंडिया कार्यक्रम के तहत अप्रेल माह में जैन यूनिवर्सिटी बैंगलुरू में आयोजित प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी गेम्स-2021 के तहत आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में रेफ्री के रूप में किया गया है। यह टूर्नामेंट 23 अप्रेल से 26 अप्रेल, 2022 के मध्य बैंगलुरू में आयोजित की जा रही है। श्री नायर ने एनआईएस वॉलीबॉल कोच रहे है साथ ही उन्होंने इंटरनेषनल व नेषनल प्रतियोगिताओं में रेफ्री के रूप में योगदान देकर भिलाई को गौरवान्वित किया है। विदित हो कि श्री विनोद नायर को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वॉलीबाल मैच के इंटरनेषनल रेफ्री के रूप में उनके द्वारा दिए गए श्रेष्ठ योगदान के लिए वर्ष 2014 में वीर हनुमान सिंह अवार्ड से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त श्री नायर वर्ष 2014 में चीन में विश्व महिला चैम्पियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफिकेषन टूर्नामेंट में ऑफिषियल के रूप में प्रतिभागिता की। थाईलैंड में 17वीं एशियाई सीनियर वूमेन वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भी अपनी भागीदारी दी। पुणे (महाराष्ट्र) में 5वीं एफआईवीबी मेन्स अंडर-21 वर्ल्ड वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दी।

थाईलैंड में छठी एशियाई यूथ गर्ल्स वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में, विशाखापट्टनम में इंडो-पाक मेन्स वॉलीबॉल टेस्ट सीरीज में तथा कोलकाता में दूसरे कॉमन वेल्थ वॉलीबॉल चैम्पियनशिप (मेन) में भी रेफ्री के रूप में योगदान दिया है। इसी क्रम में विशाखापट्टनम में 13वीं वर्ल्ड मेन्स अंडर-21 वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दी।

निजी घर के छत के ऊपर 11 केव्ही के बिजली का तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर जनदर्शन में बिजली से संबंधित 2 प्रकरण आए थे। जिसमें से एक मामला नंदनी नगर का था, जिसमें आवेदक विद्युत विभाग की लापरवाही का मामला लेकर कलेक्टर के समक्ष पहुंचा था। आवेदक ने बताया कि उसके और उसके पड़ोसी के घर के छत के ऊपर से विद्युत विभाग ने 11 के.व्ही के बिजली का तार खिंचा है। इसे हटाने के लिए आवेदक के द्वारा कई बार आवेदन भी लगाया जा चुका है, परंतु विभाग ने इस पर उचित कार्यवाही नहीं की है। कई बार खराब मौसम आंधी तूफान की स्थिति में विद्युत तार टुटने की स्थिति भी निर्मित हुई है। ऐसी स्थिति में जान-माल का खतरा भी बना रहता है। इसलिए आवेदक ने निजी खर्च पर विद्युत विभाग से सहमति प्रदर्शित कर बिजली लाईन हटाने के लिए आवेदन भी किया। जिसके लिए उसने 1 लाख 03 हजार की राशि का भी भुगतान किया। जिस पर वर्तमान तक कोई उचित कार्यवाही नहीं की गई है। इसके अलावा दूसरा मामला सुभाष नगर का था जिसमें आवेदक ने बताया कि उसके मकान के ठीक किनारे लगे हुए विद्युत पोल से जाने वाले तार के कनेक्शन उसके घर के छत के ऊपर से जा रहे हैं। कलेक्टर ने दोनों मामलों का संज्ञान लिया और विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को शीघ्र मामले का निराकरण करने के लिए आवेदन प्रेषित किया।

जमीन प्रकरण को लेकर भी एक मामला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसमें आवेदक ने बताया कि उसकी 1100 वर्गफुट जमीन पर कब्जा कर दुकान निर्माण करा दिया गया है। उसने अवैध निर्माण पर जल्द से जल्द कार्यवाही कर उसके हिस्से की जमीन दिलवाने के लिए कलेक्टर से अपील की। कलेक्टर ने कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित किया है।

इसके अलावा छात्रवृत्ति से संबंधित प्रकरण भी कलेक्टर के पास पहुंचा। जिसमें आवेदक ने बताया कि उसने नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन किया था। इससे संबंधित जानकारी श्रम विभाग से लेने पर श्रम विभाग ने उसे बताया कि योजना के अंतर्गत उसे राशि प्रदान कर दी गई है परंतु आवेदक का कथन है कि उससे संबंधित राशि उसके खाते में नहीं मिली है। इसलिए आवेदक ने योजना की राशि प्राप्त करने के लिए कलेक्टर से अपील की है। कलेक्टर ने मामला का संज्ञान लेते हुए उचित कार्यवाही के लिए प्रकरण को संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया। आज कलेक्टर जनदर्शन में कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए।

हितग्राही को जबरदस्ती घुमाने पर होगी कार्यवाही

महापौर पहुंची टंकी ऑफिस, राशन कार्ड की आड़ में रूपए मांगे तो अब खैर नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। राशनकार्ड की आड़ में ऊपरी कमाई करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। रिसाली नगर पालिक निगम की महापौर शशि सिन्हा ने उक्त बाते कही। वे सोमवार को टंकी कार्यालय स्थित राजस्व विभाग के राशनकार्ड शाखा, कर वसूली, जन्म-मृत्यू पंजीयन शाखा का औचक निरीक्षण की।

महापौर ने निरीक्षण के दौरान राशनकार्ड बनाने वाले कर्मचारियों की क्लास ली। उन्होंने कहा कि निगम में सार्वधिक शिकायत इसी शाखा से है। रूपए मांगने से लेकर कार्ड में नाम जुड़ाने व काटने के अलावा नामों का संशोधन कराने कार्यालय आने वाले कार्डधारी भटकते रहते है। महापौर ने स्पष्ट कहा कि कर्मचारी इसे अंतिम चेतावनी समझे। शिकायत मिलने पर वे किसी को नहीं छोड़ेगी। सीधे निलंबन कार्यवाही की अनुसंशा आयुक्त से करेंगी।

महापौर के साथ महापौर परिषद के सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, सनीर साहू, पार्षद जमुना ठाकुर आदि मौजूद थे।

पाइप लाइन की शिकायतों पर अलर्ट रहे

निरीक्षण के दौरान महापौर और परिषद के सद्स्यों ने जलकार्य विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पानी को लेकर अलर्ट रहे। किसी भी प्रकार से पाइप लाइन लिकेज अथवा श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में जल आपूर्ति की मांग पर त्वरित निराकरण करे। महापौर शशि सिन्हा ने स्टोर का निरीक्षण कर सामानों के रख रखाव के बारे में भी जानकारी ली।

स्पायरों कंपनी के कर्मचारियों की ली क्लास

नगर पालिक निगम रिसाली में टैक्स संकलन करने वाली स्पायरों कंपनी के कर्मचारियों से भी महापौर ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि टैक्स वसूली के पहले निर्धारण फार्म मौके पर भरा जाए। ताकि निगम को मिलने वाली राशि वास्तविक हो। गड़बड़ी मिलने या फिर अधिक राशि लेने पर सीधे कार्यवाही की जाएगी।

डीएमएफ फंड से बनेगा स्कूल भवन

रिसाली। लगभग सवा करोड़ से भी अधिक राशि से होने वाला विकास जल्द ही मूर्तरूप लेगा। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रयास से जल्द ही कल्याणी मंदिर से रिसाली बस्ती मार्ग संवरेगा। इसमें लगभग 1 करोड़ खर्च किया जा रहा है। व्यवस्त सड़कों में शामिल कल्याणी मंदिर से लक्ष्मीनगर होते रिसाली बस्ती पहुंच मार्ग न केवल चैड़ीकरण होगा बल्कि सड़क किनारे नाली भी बनेगी। सोमवार को रिसाली निगम आयुक्त आशीष देवांगन स्थल निरीक्षण करते अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेड पड़े विद्युत खम्बों को पहले हटाए। इसके बाद नाली के लिए प्लानिंग करे। आयुक्त ने निर्देश कि सड़क की चैड़ाई 7 मीटर ले। ताकि आवाजाही में किसी तरह की दिक्कत न हो।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950